



घोडश

## बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

चर्चा-५

शुक्रवार, दिनिः      21 फ़रवरी, 1937 (३०)  
११ मार्च, 2010 (३०)

प्रश्नों की कुल संख्या 137

(1) उच्चार विभाग	—	44
(2) स्नायक्य विभाग	—	75
(3) पर्यटन विभाग	—	11
(4) आपदा प्रबंधन विभाग	—	06
(5) योजना एवं विकास विभाग	—	01

### विकितसको का व्याख्यान

\*1033. श्री जय नरेन गाटु—जय मंडी, स्वाम्य विभाग, यह कलाने को दूजा करेंगे कि—

(1) यह यह बत सकते हैं कि पटना जिला के प्राथमिक उपचार व्यापार व्यवसाय गाम-वसुई में स्वाम्य कानून का भवन काही लौर्ड-शील एवं लासर्वीजरों द्वारा 10 लाख से अधिक है।

(2) यह यह बत सकते हैं कि यह उक्त स्वाम्य कानून पर विकितसक एवं नरेन काही जाते जल्द ही विभाग कानून लायीजो को इकाइ फैलाये में विविध लाधी है।

(3) यह उपचार गामी के उक्त स्वीकारणालाई है, तो उक्तका कलाने उक्त स्वाम्य कानून के व्याप एवं व्यापारीयों का विभाग व्यापार व्यवसायालाई विविध साधारण व्यापार विभागालाई कर व्यापार व्यवसाय का विभाग बदलती है, तो, तो करें ?

### द्रुतगतिमें को बदलना

\*1034. श्री अशोक व्यापार—यह मंडी, उक्त विभाग, यह व्यवसाय को ज्ञान करेंगे कि यह यह बत सकते हैं कि उपचारीजु़ा विभागालाई स्वाम्य भेद के व्यवसाय, नवाचार, आदीपुर द्वारा उक्त स्वाम्य रेविल्यू, गुप्तराष्ट्र द्वारा जापों में विभाग को यात्रा से द्रुतगतिमें के जल्द लौटने को नक्त के विषय आधुनिक भावना है, यदि तो, को यथवा इन जापों में जाते द्रुतगतिमें का व्यापारीय व्यवसाय व्यवसाय व्यवसाय व्यवसाय है ?

### उपचार उपचार व्यवसाय

\*1035. श्री सापेहार आलय—यह मंडी, स्वाम्य विभाग, यह व्यवसाय को ज्ञान करेंगे कि—

(1) यह यह बत सकते हैं कि अशोक विभागालाई जोकोटड रेलवे अस्पताल में स्थानिक रूप से यात्रा, अल्ट्रो-रेडियो यार्ड यार्ड एवं एक्स-कॉर्पोरेशन की युवाओं नहीं रहने को जारी रखने का प्रयत्नाली का उपचार करता रहता है।

(2) यह उपचार व्यवसाय का उत्तर स्वाम्यालाई है, तो यह उपचार उक्त अस्पताल में लौटाई रखने, दूसरा एवं अन्य उपचारण को सुनियम उपचार का विचार रखती है, तो, को व्यवसाय, यही, तो यही ?

### इमुटे विधिभूत कानून

\*1036. श्रीमंडी फार्म इंडी—जय मंडी, स्वाम्य विभाग, यह व्यवसाय को ज्ञान करेंगे कि—

(1) यह यह बत सकते हैं कि यह विभागाली प्राथमिक स्वाम्य औन्द, आदी के द्वारा उपचार व्यापारीय, विभागालीय में विभाग विभाग करते रहे हैं और स्वाम्य कानून अल्टी में स्वाम्य में एक दिन की अवधारी कानून करते हैं ;

(2) यह यह बत सकते हैं कि उक्त विभाग के प्राथमिक स्वाम्य कानून नीमचड चाराने, नीहीड एवं नीमेहर के प्राथमिक प्राथमिकाली एवं अन्य छोटार व्यापार व्यवसाय में एक-एक दिन ती जाने सरकारी कानून का निवेदन करते हैं, विभाग मीडों को घेरनी होती है ;

(3) यह उपचार व्यवसाय के उत्तर स्वाम्यालाई है, तो यह उपचार उक्त स्वाम्य केंद्रों विकितसको की विधिभूत इमुटे भागने का विचार रखती है, तो, को व्यवसाय, यही, तो यही ?

### सामाजिक का विषय

\*1037. भी संवीक्षणीयम्—क्या यही सामाजिक विभाग, यह ब्रह्मांड को कुपा करता है? कि—

(1) जब यह जल चाही है तो उद्धव विल के देश, नेपाल, नुवा, असामिया विलों, नेहरू नदी, उच्चों भग्न और उच्च विभाग एवं यही अपार्वी आज्ञा जहाँ है वही विभिन्न विभागों द्वारा यात्रा अपनीम नहीं होती है विभिन्न विल के देशों जहाँ को जाते यात्राओं यात्राओं का लक्ष्य जात्या है;

(2) यही उपर्युक्त यही वही उपर्युक्त विभाग है, जो नदी विलायत इस देश में उपर्युक्त विभाग तथा यात्राओं का विभाग रखता है, तो यही यात्रा का लक्ष्य जात्या है;

### विभिन्नताका वा विभिन्नता

\*1038. भी उपर्युक्त विभाग—क्या यही सामाजिक विभाग, यह ब्रह्मांड को यहाँ लेता है कि—

(1) क्या यह यहाँ यात्री है कि विभिन्न विल के यात्रारूप यात्राएँ यही विभाग विभाग में स्थानिय प्राप्तिमिक विभाग जैन एवं गाहिया विभिन्नताका एक दूर विल है जोकिर तो यहाँ में उक्त एवं पर विभिन्न विभिन्नताका भूतिभिन्नता यात्री भी यहाँ है;

(2) क्या यह यहाँ यात्री है कि उक्त विभिन्नताका विभाग जैन एवं गाहिया विभिन्नताका यात्री यहाँ से यात्राकरी विभिन्नताको इसके द्वारा लेनी दी जाती यात्रा विभिन्नताके द्वारा उत्तराखण्ड यात्रा यात्रा है विभिन्नताके द्वारा कठिनाई का सामग्री आस्ता यात्रा है;

(3) यही उपर्युक्त विभाग के द्वारा स्वीकारणात्मक है, यो क्या यात्राका उक्त विभाग जैन एवं गाहिया विभिन्नताका भूतिभिन्नता यात्री अत विभाग रखती है, तो यही यात्रा क्या करना, नहीं, तो क्या करना?

### सामाजिक केन्द्र का लोकोक्तिर

\*1039. भी उपर्युक्त विभाग—क्या संघी, राजसन्दू विभाग, यह ब्रह्मांड की युध्य करते हैं कि—

(1) क्या यह यहाँ यात्री है कि सौकाम्बी विभागनामी ब्रह्मांडनामी प्रद्वान ओं ब्रह्मांड का अतिरिक्त उपर्युक्त प्राप्तिमिक विभाग जैन एवं गाहिया विभाग यात्री भी असुविधा होती है;

(2) यही उपर्युक्त विभाग उक्त विभिन्नताका विभाग है, यो क्या यात्राका इस विभिन्नताका विभाग के द्वारा क्या लोकोक्तिर यात्रे या विभाग यात्रा है, तो क्या करना, नहीं, तो क्या?

### विभिन्नताकरण विभाग

\*1040. भी उपर्युक्त प्रमाण यात्रा—क्या संघी, जैन विभाग, यह ब्रह्मांड को कुपा करते हैं कि—

(1) क्या यह यहाँ यात्री है कि भृत्यवधारण विल में ग्राम्यांश एवं कट्टा प्रद्वान में ग्रामीण विभिन्नताका यही विभाग जैन विभाग रामनामी द्वारा यात्रा यात्रा से मिला हुआ है;

(2) क्या यह यहाँ यात्री है कि उपर्युक्त विभाग प्रद्वान के एक भी गैरि में विभिन्नताकरण कार्य एसोसिएशनामी द्वारा विभिन्नताका पूरा यात्री यात्रा यात्रा है;

(3) यही उपर्युक्त विभाग के द्वारा स्वीकारणात्मक है, यो क्या यात्राका इस द्वारा यात्री में विभिन्नताकरण का कार्य यही यात्रा के विषय विभाग यात्रा यात्रा है, तो क्या करना, नहीं, तो क्या?

卷之三

\*104. ओं अवामस्तुता उद्देश्य शास्त्री—मृग भजि, कर्त्ता विधा, मह जनान को दूजे कर्मों के काम यह बात चलो है कि समर्पणकु विज्ञानशास्त्री उद्देश्य शास्त्रानेत्रु के निवासी युनियन में प्रथम वर्षार्थीका द्वारा दृष्टिकोण प्रधान कर्मसात्र ले लिया जाता है, परं कि ऐ माहात्मा नृपि, कार्य हेतु उभयो द्वितीयां दृष्टि कामने ही उचित विषय जग्मन्ति सुनिश्चिका कराने वाले विद्वां रहते हैं, तारी, वा क्या ?

सिंहासन-सिंहासन की स्थापना

\*[163] ਸਿੰਘ ਚੌਥੇ ਕਾਨੂੰਨ ਵਿਖੇ ਯਹ ਪ੍ਰਕਾਰੇ ਦੀ ਰੂਹ ਕਰੋ ਕਿ—

- (1) अमा-यह यात सही है कि युजास्टिनियन जिस वर्षोंते भीसी एक विद्या-प्रवासी विद्यालय में शिक्षा

(2) वसा पाल यात्रा सही है कि उत्तराखण्ड के २८/१०० उत्तराखण्ड के योग्यों (महार) सभ-हिंदूओं में जाहर खिलाफी चिन्ह चाहा करता है, जिसके द्वारा साधारण 100 फीसदी भी है;

(3) अटि व्यवस्थित रुदी की इस समिकालीन दृष्टि का एक समान अस्ति प्रत्येक विभाग में उपर्युक्त वर्णन मालिक है, जो एकाक्षर नहीं, ले करी ।

for future use.

\* (1) दीमी रात्रि रेखा, जहाँ स्वी मारस्य हिमांग, गो चतुर्वो तो दृष्टि करते हैं—

११४. क्या यह आप सही है कि नवा उत्तरांशी प्राविष्ठान ल्यालन कोट, जो इसके अन्तर्में महिला विविधक पदस्थापित नहीं है, उसमें महिला संघों को प्रत्यक्ष रूप से लाएँ रखने में सफलता होती है ?

(२) यदि उपर्युक्त समिति का उम्मीदवाला नहीं है, तो उसे नियमार्थ जारीनीक स्वतंत्रत्वे के द्वारा विभिन्न विभागों में भागिता विभिन्नताएँ को वर्गीकृत करने का विकास रखती है। अ. तो इसका यही दो लाभ है।

आंतरिक रूपों की अवधारणा

\* १९५३ के प्रस्ताव की दो भौमिका अधिकारी विवाह के बाबत शीघ्र सर्वोन्नति

- (1) कम से कम याता रहती है एक वर्ष, अधिक में भीतर में अमरुणी या प्रकृति की ओर जाना-भाल की शक्ति होती है ;

(२) यह यह जाति स्थीर हो कि विस्तृत मूल्यांकन वा आमतात्पर्य के उत्तर सही समय पर यही प्राप्ति दर्शाएँ से आगे पर काम चाहे में विभवन्व हो जाता है विस्तृत कारणों कीत गयी है :

(3) यदि उपर्युक्त शास्त्र के उत्तर स्थोकाधारना है, तो वस्त्र भास्त्रात् प्रश्नण भूक्षेत्राणां परमिन्द्राधारनः ददर्शः उपलभाव करने का लिखा रखता है, तबीं, तो क्या ?

### विद्युतीकरण पूरा करना

\*1045. वी सत्यार्थ मिठ—कमा भवी, कबो विभाग, पह जातानाम जो कृपा करेंगे तिक—

(1) कमा यह बहुत चाहते हैं कि असरकार और जलवायन बोर्ड इनसां में सभी गोलों को विद्युतीकरण के लिए वित्तीय आवश्यक और एम्बी गृजावाहन का एक वर्ष पुरा नियमित बालोंटन को देयो और—

(2) कमा यह चाहते हैं कि उसका उपरोक्त द्वारा विद्युतीकरण का कार्यक्रम फैलाया जा सके तिक्तों जलसां में भारी आवाहन है ;

(3) एवं उपर्युक्त विवरण के उत्तर जलवायन बोर्ड के संकेतक के वित्तीय विवरण के बारे में यह व्यापक विद्युतीकरण आवाहन पुरा करावे का विचार रखते हैं, तो जो उपकार, जहाँ, तो क्यों ?

### विद्युतीकरण कारबाह

\*1046. वी नम दिल्ली ग्रामप—धूम भवी, ग्रामपर्यवेक्षण विभाग, यह जलसांग भी कृपा करेंगे कि—  
कमा यह चाहते हैं कि जलसांग मिठी विधि जलवायन बोर्ड इनसां को असरकार द्वारा जलवायन का विभाग वी 2013 में भी हो चुका है तिक्तु पुरा जलसांग अभी तक वित्तीय के महासांग में ही दर्शायित है, यदि तो, तो भवन मिथाण हो जाए कि जलवायन की अधिकारी उक्त जलसांग को कियाय के महासांग में दर्शायित चाहे ज्ञा कृपा दीर्घकाल है ?

### पूरा ग्रामपर्यवेक्षण की विविधियाँ

\*1047. वी अमोद ग्रामपर्यवेक्षण—कमा भवी, ग्रामपर्यवेक्षण विभाग, पह जातानाम जो कृपा करेंगे तिक्तों यह चाहते हैं कि काटियां जिला को मनिहाउ प्रशासित अन्तर्गत कुमारीपुर के उप-ग्रामपर्यवेक्षण में उदायपुरिय वी गुरु (एम्बी एम्बी) को जाटियां ग्रामपर्यवेक्षण में रहने जाने के कारण उप-ग्रामपर्यवेक्षण कान्द में अहमियत संकेत करता है, यदि तो, तो क्षेत्र सरकार उक्त दोनों (गुरु, एम्बी) को उप-ग्रामपर्यवेक्षण करावे तो विवाह रखती है, नहीं, तो क्यों ?

### विद्युतीकरण का विवरण

\*1048. वी रवींद्र मिठ—कमा भवी, ग्रामपर्यवेक्षण विभाग, यह जलसांग जो कृपा करेंगे कि—

(1) कमा यह चाहते हैं कि असरकार विमाननार्थी एवं विद्युतीकरण के विभिन्न विभागों से युवती और रस्सलपुर जिला तक जल विस्तोल नहीं कराया गया है ;

(2) कमा यह चाहते हैं कि इस विवरण के अधिकारी द्वारा में भवन गति के विरुद्ध अधिक सुद वी गो 209433760 जापे है ;

(3) कमा यह चाहते हैं कि सर्वोच्च प्रोत्तम उच्चोक्त कार्य विभाग असरकार वी बैठक (23 मार्च, 2013) में स्वीकृत जी जा चुकी है तथा गिला पर्याप्तिकारी, असरकार के पासक 660, दिनोंक । आगले 2015 कमा जीवन प्रियांका विकास, ग्रामपर्यवेक्षण, ग्रामपर्यवेक्षण की विवाह लीकरता है ;

(4) एवं उपर्युक्त चुंडी वी उत्तर नवीकारायाह है, तो कमा जाटियां नवा धारम्पु को विवाहित कराया चाहती है, तो तो क्षेत्रक, नहीं, तो क्यों ?

### ट्रांसफोर्मरों को बगाड़ करने

\*1049. श्री अमृतकुमार—क्या मंडी, उत्तर विभाग, यह जलालने की कृपा करें कि क्या यह जल सही कि भास्तव्योपूर्ण जिला का विविधतावाले विभाग-सभ्य संबंध बाह्यन्तर उत्तराखण्ड के नये मुद्रणालय प्रश्न, अवधीन विभाग तथा स्वास्थ्य भावकों में एवं से लग जानक वाले ट्रांसफोर्मर को जलहृ में विद्युत अनुप्रीत प्राप्त; विधित रहती है, यदि ही, तो क्या सरकार इन स्थानों में लोड के अनुकूल ट्रांसफोर्मरों को याताहारी उपयोग करते हुए नियोग रूप में विद्युत अनुप्रीत सुनिश्चित करने आविष्कार रखती है ?

### चिकित्सक का पदस्थान

\*1050. श्रीमती रमोदी गोपा ठेग्स—क्या मंडी, स्वास्थ्य विभाग, यह जलालने कृपा करें कि क्या यह जल सही कि घौंका जिलावाले विविधता विभाग-सभा बैठक में वो रपतरा अस्तित्व है, परन्तु उपर्याएव रपतरा अस्तित्व में माहिता विविधता नहीं है, यदि ही, तो सरकार क्रमतक भौतिक चिकित्सक का पदस्थान करने का विषय रखती है ?

### जाइ या रक्ष-रक्षण

\*1051. श्रीमती एगा चौधरी—क्या भौती, स्वास्थ्य विभाग, यह जलालने कृपा करें कि क्या यह जल सही कि वैशाली जिलावाले इन्डीमूर में विद्युत 15 वारों से लगाड़ बैक गूनट सजावत है, परन्तु उक्त जाइ बैक से जलहृ न रखकार फलन जलहृ बैक में रखा जाता है विद्युत के लिए अपारप्राप्तिम विभाग में नईर सरोकृ की विविधता में काफी कठिनाई होती है, यदि ही, तो सरकार वालालक उक्त जलहृ बैक में जलहृ के रक्ष-रक्षण को ल्यावस्था करने का विषय रखती है, तो, तो क्यों ?

### विद्युतीकरण जलने

\*1052. श्री उमरेंद्र सूर्य—मंडी भौती, उत्तर विभाग, यह जलालने कृपा करें कि क्या यह जल सही है कि वैशाली जिला के जलाला, भगवत्तुर एवं मंसुराले प्रद्वाणी में राजीव गांधी विद्युतीकरण जलना के लाल नियोगाधीन कर्त्तव्य उपर्युक्त है, यदि ही, के सरकार आधुर त्राप्ति को शोषण करने का विषय रखती है, तो, तो क्यों ?

### प्रांतिक बैन्ड लॉम्पार्स

\*1053. श्री चोटेन्द्र कुमार गुप्त—क्या मंडी, स्वास्थ्य विभाग, यह जलालने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह जल सही है कि वैशालीवाल जिलावाले गोला वॉटर के लिए प्रांतिक बैन्ड, डीप लॉम्प, मॉडिल्स में कोई प्रभावाल नहीं है ;

(2) क्या यह जल सही है कि उक्त रक्षाधारों में गोला वॉटर के लिए अधिक जल है, जिसकी जलसंरक्षा 35 हजार है, जिसके इलाज होते हुए 10-15 किलो दूर जाने पड़ता है ;

(3) क्या यह जल सही है कि उक्त रक्षाधारों के ग्राम-जाल में जलालको स्वास्थ्य केंद्र जलालने की अनुप्रीत मुख्य उत्तर विभाग प्रशासिकारी, औरगढ़वाल द्वारा वर्ष 2013 में सुनियां, स्वास्थ्य समिति को भेजा गया है ;

(4) यदि उपर्युक्त बैन्ड के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चौल झार में भौतिक जलसंरक्षक स्वास्थ्य केंद्र जोड़वाले का विषय रखती है, ही, तो जलाल, नहीं, तो ज्ञान ?

३८५

\*१८५. श्री राम उत्तरायण महात्मा गांधी द्वारा लिखित एक अनुच्छेद है।

(1) क्या यह यात्रा सही विभिन्न लिंगों के संदर्भ में है ? यह प्रतिक्रियाएँ एक प्रतिक्रियाएँ खटक होती हैं।

( 2 ) वर्षा यह बाती मसी है कि इस प्रकार पर एवं भारत का विद्युत भवन द्वारा विद्युतीय भूमध्यमीठे ताँड़ सानारीय उपर्युक्त अप्रैल द्वारा २३ जून २०१५ को लिलालाम किया गया तरन् आगले निम्नों कार्य प्रारम्भ नहीं हो सकते ।

(३) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर समीकायमनक हैं, तो सरकार योग्यताएँ जीव संसार पर्याप्त रूप से निर्माण करने का विषय रखती है। तो, तो क्या है उत्तर, तो क्या ?

परमार्थ निधान

\*1055. ਕੀ ਤੇ ਨਹੀਂ ਵਾਲੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ਾਸਕ ਰਿਸਾਵ ਜਾ ਸਕਣਾ ਕੋਈ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ।

(1) क्या यह अप्राप्ति के पदों किसी भी वार्ताएँ उत्तर के ग्रन्थानुसार सम्भव नहीं हैं ताकि 1960 में जनरले द्वारा बनाए गए नियमों के नाम से लिखकर लिख दें।

(3) यदि दापुरक लाइट के उत्ता स्टीक्कारलाई है, तो सरकार फ़ॉर्म उपलब्ध अनेक प्राप्ति-संग्रहीय स्थानों में उपलब्ध खाती है। जो स्थान-सम्बन्ध सामग्री के निवास भवति विभिन्न विभिन्न स्थानों में जो भी उपलब्ध होती है, वहाँ विभिन्न स्थानों के निवास भवति।

卷之三

\* १०५६ भी (३५६) राष्ट्रीय अगमद जूँ वर्षा संघ, झज्जा विभाग, प्रस खालाने चुप्पा बनेग तिक्का वह यह यहाँ तो कान्दियार छिला गलाहार कान्दा प्रद्युमन के लाला एवं तेलिया उत्तराखण्ड के प्रभाव में आजाई के घाँट भभीषण कार्ति विष्णुविकरण भहो किया गए हैं, परि ही, ली-सरकार झज्जा वधा उत्तराखण्ड विधायकों के द्वारा में क्षमताक विधायीमारण करने का विभाग रखती है, तरह, तो ज्ञान ?

## मध्यस्थ कामिनी का प्रदर्शन

\*1057. वो जामूलवाला एवं—क्या भीती, नवाचन विभाग, जो बहालने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह जात महो है कि मधुबन्ही विकासाली या० सर० कंट० लौमौरा में चिकित्सक, अहिता विकासक वृष्णि-स्थान्य कंट० के जहाँ रहने वाला भी भीमों को 30 दिनों में डॉ. इंद्रेश्वर वा० अध्यनगर वाला बहुत है जिससे सभी जाते हैं तो भूत वा० जाते हैं ;

(2) क्यि उपर्युक्त छात्र वा० उत्तर लौमौरालाला है, जो नवाचन या० सर० कंट० लौमौरा में चिकित्सक एवं अहिता विकासक वा० साध-साध नवाचन अहिता का प्रदर्शन सभीका बताता वा० जित्या आज्ञा है ?

### उत्तर-प्रेषित वाचन

\*1058. डॉ. मुनील जूमार—जात महो, जन्म विभाग, यह जालने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह जात महो है कि नवाचन विकास भूत्यालय विकासालीका विभिन्न मुद्दों का विभागी के पात्र प्रबू वा० उत्तर लौमौरा में है और 40-50 वर्षों में वये तार जहाँ लापाये गये हैं :

(2) क्या मह जात महो है कि जहाँ तार प्रबू पात्र के स्वतन्त्र पर नये गेल, तो वही नयाने के कामा कैमालाला, नामाला गली लौमौरा, महानाम समाज कौशिकी, नव विभिन्न के वीड़ो कहे वार वृष्टन ही चुको है ताक उपर्युक्ताला को 150 मीटर दूर से जा० आप जरूर विकासी वा० उपर्युक्त वारना जहाँ है :

(3) क्यि उपर्युक्त खातो के उत्तर स्वीकारदाता हैं, तो क्या नवाचन विकासालीका में नये जात-प्रेषित वाचावार यहाँ वा० दुर्बला भूत जात लातारा विकासी भूत्या काले जाती है, वा० कै॒ कै॑ कै॒ कै॑, वही, मैं कहै ?

### उत्तर करने जा० औपचार्य

\*1059. ओमली गावाली देवी—स्वानीव दैनिक ममाचार-पत्र में दिनांक 2 फरवरी, 2018 का प्रकाशित शीर्षक “जामूलाल में अनेकानें रोजमंदरण दर्शन” वा० इथान में दर्शन हुए जात महो नवाचन विभाग, यह जालने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह जात महो है कि यहाँ भरकार ओमलाल रोजमंदरण योजना के नामानं से एवज के मात्र जौ असलालालों को बहुत के लिये दूषण के तो वह पिछले वर्ष रोजमंदरणी वी० आठ असलालों में भूत्या को ग्रहणात् जात महोपाधीनी सापलवन के यात्राम से भीतों को एकिक पर्सीट नवार दिया गया जिससे एक यात्रा रोजमंदरण कामे के बाद दूसरे अवसरालाल नवर एवं इलाज कराया जा रहा था, जिससे भीतों एवं डॉक्टरों को इलाज में दुखिया हो रही थी०

(2) क्या यह जात महो है कि वार्षिक समष्टि में उपर्युक्त भूत्या वन्द है जिससे विकास के भीतों को ज्ञातन में भागी करियाराह जा० सामाज वारना पत्र जात है ;

(3) क्यि उपर्युक्त खातो के उत्तर स्वीकारदाता हैं, तो इसके उत्तर लिखे जाने का कृपा उम्मीदार है ?

### विकासी वारना

\*1060. औमली गुलालार देवी—जात महो, पर्वत विभाग, यह जालनामे को कृपा करें कि—

(1) क्या यह जात महो है कि मधुबन्ही विकासाली घोषणाली प्रधान दिया जाएवर नाम माराइव, हुलामपर्स्ती, मधुपूर इन्ड्र दिया जाए० महानव दुलख एवं नामसमाली नाम माराइव, रुज्जा को पर्वतन यात्रा के कृप में विकासाली भासे हो० आग, सीधिव, पर्वत विभाग, विकास वारना द्वाया विकास विकासी, मधुबन्ही से प्राविद्वेष को मारे को मारा जी० विकास वारना ये विकास विकासी, मधुबन्ही ने विकास विकासाला के वाचक 1419, दिनांक 21 जनवरी, 2012 एवं वर्षांक 1135, दिनांक 21 जितम्बर, 2013 द्वाया विकास विकास विभाग की भवा है ;

(2) क्या यह जात महो है कि प्रश्नकालीन गरुदन ने जिस प्राविद्वेषी मधुबन्ही को एवज का हाराला देत हुये 21 जुलाई, 2014 जी० प्राप्त भीतों, पर्वत विभाग, विकास का पै॒ लिखिकर लिखा॒ ए॒ नैवर्गल को पर्वत स्वतन्त्र के कृप में विकासी भूत्या का उत्तराधि किया॒ है॒ परन्तु उपरोक्त विकास में भीतों नवर्गल की गयी है॒ ;

(3) यदि उपर्युक्त सती को उत्तर स्वीकारायित है, तो समसार अवश्यक रूप से विशिष्ट भास्त्रवस्त्री और पर्वत स्थल के कथ में विचारित करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्या ?

### गिरिधुर्मुख सुरा विवरण

\*1061. श्री गायत्र अर्चन प्रारंभ—यह सती जीवा विभाग, यह वस्त्रवर्ती तो कृपा करते हैं—

(1) जगा यह बात सती है कि जग्माता दिव्यवनगमन वर्णना नाम परिवर्त्तन की प्राप्तिकार्यम् गिरिधुर्मुखम् करने का जरूरी रूप सती, 2014 में आख्य तृतीय विव विभाग, 2015 में तृतीय गोपा भा।

(2) जगा यह बात सती है कि ३ कठिन रूपम् द्वचे होने के बावजूद वर्णना नाम परिवर्त्तन के बाद से 29 में विवित वस्त्री रूप जगा बातों में विशिष्टविभाग का जरूरी अध्ययन है;

(3) यदि उपर्युक्त सती के उत्तर स्वीकारायित है, तो क्या समकार वर्णन उग्र चारोंद जो गर्भों वाली में गोप वज्र विशिष्टिकरण, अपौष्टि के विवरक पूरा जारीने का विचार रखती है ?

### जीव विवरण

\*1062. श्रीमती शूद्राता सिंह चौहान—यह भूषि, ऊँड़ा विभाग, यह वस्त्रवर्ती की भूषा करते हैं—

(1) जगा यह बात सती है कि गोपालगंग विवों के विशिष्टविभाग प्रारंभ में गोपा शाकश चैटिकल इति, द्वचाय वाक्य, चैटिकलप्रारंभ में विव वस्त्री मोहकल इति, दिव्यक द्वचेती, भाजीग चैटिकल इति, विष्णु द्वचेती वाक्य, गोपाल मोहकल इति, विष्णु द्वचेती वाक्य, गोपाल मोहकल इति, दिव्यक द्वचेती वाक्य, अग्निवाहन मोहकल इति, विष्णु द्वचेती वाक्य, गोपाल इति, जगा वाक्य (गोपालपाद) के द्वारा वस्त्रवर्तीक प्रतिवर्तन में भूषण विशिष्ट करनेवाला लेकर विशुत का जाग्रण कर रहे हैं, विवाह गोपव भी चढ़े हो रही हैं;

(2) जगा यह बात सती है कि गोपी वस्त्रवर्तीक प्रतिवर्तनों द्वारा लाल के अनुभव में विशुत करनेवाली लाली गई है जिससे अत्यधिक विशुत को जागता कर विशुद्ध चारों की जाती है ;

(3) यदि उपर्युक्त सती के उत्तर स्वीकारायित है, तो क्या समकार उप-स्वास्थ्यविभक्त प्रतिवर्तन को विवाह जीव-सरकार वार्षिक वस्त्र में विचार रखती है, तरीं, तो क्या ?

### विविही वह जल वस्त्रवर्ती

\*1063. दू०-विष्णु उमात चाल—जगा भातो, जीव विभाग, यह वस्त्रवर्ती वह घुपा बाटो है—

(1) जगा यह बात सती है कि गग्य विव के नाम विवरक शोभाती में कान्दा जोह से अनुभवते विविहीकरण के अनुभव वज्र जगा वस्त्र विविही के ऐसे वापरी पूर्ण वज्र जल विशुत में है ;

(2) जगा यह बात सती है कि पालं वज्रं रहने से कई बार दुर्घटना होते-होते खच्छी हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त सती के उत्तर स्वीकारायित है, तो क्या सरकार जीवित जारी विविही का जोता जाता वह विचार रखती है, तरीं, यी विवरक, नहीं, तो क्यों ?

### भावन विवरण

\*1064. श्री मनमाल चौधरी—जगा भातो, श्वास्थ्य विभाग, यह वस्त्रवर्ती वह कृपा करों कि—

(1) जगा यह बात सती है कि शुगर डिब्बों के असराव उच्चांश अनुभवते विविही के याम वार्षिक में उप-स्वास्थ्य विव जारीनित है, जो विजे भवन में जल रहा है ;

(2) जगा यह बात सती है कि उक्त उप-स्वास्थ्य जारी का अपना भवन जीव हाल के वार्षण सीधी वह जलने में विशुद्धिता होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त सती के उत्तर स्वीकारायित है, तो क्या सरकार उप-स्वास्थ्य कोद हेतु नये याम का विवाह कराने का विचार रखती है, तरीं, यी विवरक, नहीं, तो क्यों ?

\*1065. श्री राजेश कुमार—करा मंडी, स्वास्थ्य विभाग, यह अस्पताल को कैसा कहा जाए ?

(1) यह यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलानगरीत कुटुम्ब प्रबुण्ड के विधायक परिषद में इस नी प्रायोगिक स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है;

(2) यह यह बात सही है कि इस परिषद में प्रायोगिक स्वास्थ्य केन्द्र नहीं रहने से आप जाता हो; 12 किलो-जो दूरी तय कर दूसरे अस्पताल में जाना चाहता है;

(3) यदि उपर्युक्त घटनों के उत्तर उचितात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त परिषद में प्रायोगिक स्वास्थ्य केन्द्र संस्थान का विचार रखती है, हो, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

#### विविकितसंघों की संख्या बढ़ना

\*1066. श्री मानोजर उमरल यादव—करा मंडी, स्वास्थ्य विभाग, यह जाताने की जाए करो ?

(1) क्या यह बात सही है कि एस०ओ० ऐडिकल कॉलेज अस्पताल, मुजाफ़ारपुर में मरीजों की संख्या आपेक्षित होने के बाद प्रत्येक बार्ड की फर्म पर मरीजों का विविकितसंघों का जितना जा रहा है;

(2) यह यह बात सही है कि मरीजों की संख्या को अनुपात में एस०ओ०एम०सी०एच०, मुजाफ़ारपुर में बढ़े, बढ़े के साथ-साथ विकिला कर्मियों का बढ़ाव है;

(3) यदि उपर्युक्त घटनों के उत्तर उचितात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त ऐडिकल कॉलेज में भारी, बहु-एवं विविकित सामियों की संख्या में बढ़ावदायी करने का विचार रखती है, हो, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

#### अस्पताल का उत्तराधि

\*1067. श्रीमती पूर्णिमा यादव—करा मंडी, स्वास्थ्य विभाग, यह जाताने की जाए जाए ? कि प्रभा यह बात सही है कि नवाद जिलानगरीत कौआकोल प्रबुण्ड के टेपरल अस्पताल बनने की मरीजों सही को जुए करता है, तरी हो, तो क्या सरकार उक्त उप-स्वास्थ्य केन्द्र को टेपरल अस्पताल में उत्तराधि कर दियल अस्पताल की सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

#### मुक्त करना

\*1068. श्रीमती रेखा देवी—करा मंडी, उन्हों विभाग, यह जाताने को जुए करो कि क्या यह बात सही है कि पट्टा जिला के अन्दराओं प्रबुण्ड आमांत्र धनरुद्धा आवार सब स्टेशन को ऐयरलोटो को उस वर्ष से अप्रायोगिक तर्जों प्राप्त तोड़कर अमोन पर अतिक्रमण किया जा रहा है, तरी हो, तो सरकार कलाक उक्त पट्टा सब-स्टेशन के अमोन को अतिक्रमणकारियों से मुक्त करने जा विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

\*1069. ओ मूर्तका लिंग यात्रा—कथा मरी, आपण इन्हें विभाग, यह बताने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि ओ मुख्यमंत्री साब, प्राम-विजय, एचसी-गोदावरीपुर, अंचल-सनी पर्वीदपुर, विला-बहादुरगाँव के घर में दिनांक 14 फरवरी, 2016 की राति में अवासका आग लगने से मिट्टी एवं फूल का बत्ता मध्यम जलकर रखा हो गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अपि विभाग का नम च००पी०एल० सुनी में अवित है;

(3) क्या यह बात मही है कि ओमीं पोदियो के विभाग परिवर्तन में इंदिरा आवास निर्माण कराने का सरकारी प्रबन्धन है;

(4) यदि उपर्युक्त घटनाको उत्तर स्वीकारात्मक है, तो वह सरकार प्रसापोंन और पोदियो ओं इंदिरा आवास बनाने का किसार रखती है, तो, तो कवासक, नहीं, तो क्यों?

#### विकिसक को प्रतिनिधित्व

\*1070. सी (प्लॉ) लौमीप उत्तरान्—कथा मरी, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह बात मही है कि अपार्टमेंट विला के बहासुरांड विलॉन-सप्ट एंड एंड के टेप्पागढ़ प्रखण्ड मुख्यालय के निकट प्रश्निकाल स्वास्थ्य केन्द्र में भवितव्य विकिसक का एक घर विल घंटे वर्षों से रिक्त है साथ ही उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में बेत नहीं है;

(2) क्या यह बात मही है कि उक्त प्रश्निकाल स्वास्थ्य केन्द्र में महिला विकिसक एवं उक्त घंटे नहीं रहने से गर्भवती महिलाओं को इलाज करने में कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त घटनाको उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में महिला विकिसक को प्रविसित्वात् एवं बड़े बड़े कराने का विचार रखती है, तो, तो कवासक, नहीं, तो क्यों?

#### निष्ठान बताना

\*1071. ओ सचिव प्रस्तुति मिंट—कथा मरी, उत्तरान् विभाग, यह बताने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह बात मही है कि पूरी उत्तरान् विला के कल्यानपुर प्रश्निकाल स्वास्थ्य केन्द्र में बहासदीवारी सही रहने से जास्तर एवं अनावश्यक लोगों के फ्रेश से गर्भवत एवं स्वास्थ्य कर्ताओं परेशान होते हैं तथा भरप्राप्ति जमीन का भी निष्ठानमान हो रहा है;

(2) क्या यह बात मही है कि उक्त स्थल पर स्वास्थ्य विभाग की अपनी जमीन भी उपस्थित है;

(3) यदि उपर्युक्त घटनाको उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र पर गर्भवतेवारे को विमोंग कराने का किसार रखती है, नहीं, तो क्यों?

#### स्वास्थ्य केन्द्र स्थानीकरण

\*1072. ओ रिंगो बन्द यात्रा—कथा मरी, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह बात मही है कि दिनांक 21 जून, 2007 को तत्त्वालीन रवान्य घंटों की अवधिका में तुड़े संवादीय संचालन भवित्व की वैष्टक में स्वास्थ्य विला के सलालुम प्रस्तावद के गारक, तितमी-बीजित्वारपुर प्रस्तावद के सांतप्त, अपारा एवं महसूर, बेमा-इटवी प्रस्तावद के भूस्ती और माहिं प्रस्तावद के एना में अतिरिक्त प्राप्तिकाल स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का निर्णय लिया गया था, तो अवश्यक नहीं रहा है;

(2) यदि उपर्युक्त घटनाको उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कवासक उक्त निर्णित स्थानों पर अतिरिक्त प्रश्निकाल स्वास्थ्य केन्द्र स्थानीकरण का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

\*1073. ओं ज्ञातेकं ज्ञातम् सिद्धं— ज्ञा भूते, काव्य विभाग, यह वाल्मीकी की कृपा करें कि—

(1) क्या यह ज्ञात मर्ही है कि सराव विभाग सिद्धुत् विस्तोत्प्रभान् ज्ञातमी जा उपभोक्ता ज्ञ-विभागीया अधिकारी, गाथ में अवशिष्ट है;

(2) क्या यह ज्ञात मर्ही है कि ज्ञातमी और रोकताम् विभाग में गाथ विभाग की दूरी 100 मीटर है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वोकाशात्मक हैं तो क्या गलता उत्तर ज्ञातमी का विचार उपभोक्ता ज्ञ-विभागीया ज्ञातमी की जात्या वाल्मीकी (स्वामायम्) में ज्ञातमी का विचार गलती है, हीं के कृतात्मक, नहीं, तो क्यों ?

### रिक्त वर्ते को भरना

\*1074. श्री स्वामी ज्ञानसर वल्मीकी— क्या भूते, स्वाम्यविभाग, यह वाल्मीकी की कृपा करें कि—

(1) ज्ञा यह ज्ञात मर्ही है कि विभाग प्रैंगण में 40 हजार चम्मी की पर रिक्त है;

(2) क्या यह ज्ञात मर्ही है कि ज्ञात्यावाल्मीकी द्वारा जी 2010 में ही सूचे के स्वाम्य केन्द्र एवं भवनमाला में एल्फ्रेडम् के विषय भर्ती को भरने वाले विभाग ज्ञातमी को विज्ञापन के लिये ताका है इन्हें अवश्यक नहीं होने से प्रदेश के स्वाम्य केन्द्रों एवं अस्थानों में मर्हेज़ वा कॉटेज़ों का सामना करना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वोकाशात्मक हैं तो ज्ञा सरकार इन्होंने वे वर्तों के रिक्त पर्तों को भरने का विचार रखता है, हीं, के कृतात्मक, नहीं, तो क्यों ?

### उत्कीर्णित कर प्रा० स्वामी कन्द्र बनाना

\*1075. ओं (च००) ज्ञानसर वल्मीकी— क्या भूते, स्वाम्यविभाग, यह वर्तमाने वर्ती कामों करें कि—

(1) ज्ञा यह ज्ञात मर्ही है कि भूमिका विभाग-वर्तीत कल्याण प्रधान के गृही विभाग में विभागीय विभाग में उप-स्वाम्य केन्द्र है;

(2) ज्ञा यह ज्ञात मर्ही है कि उक्त उप-स्वाम्य केन्द्र पर द्वार्पालम्, नूमीनिवा, भवेत्सिंह एवं प्रकार के वायरल विभागों वे गुमित रोगियों की अधिक संख्या होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकाशात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त स्वाम्य केन्द्र को उत्कीर्णित कर प्राप्तिकाल स्वाम्य केन्द्र बनाने का विचार गलती है, हीं, तो कृतात्मक, नहीं, तो क्यों ?

### कामसर कामप्रय उठाना

\*1076. श्री वृन्दिका लिला यादव— क्या भूते, ज्ञातमी प्रबन्धन विभाग, यह वर्तमाने की कृपा करें कि—

(1) ज्ञा यह ज्ञात मर्ही है कि अवक्तु विभाग के मोमलपुर, कामी, सोनधार, अमृता, भगवत्तोपुर, धर्माल, गौड़रा, डक्करा गाँव तुनपुर नदी के किनारे वर्ता हुआ है, जो वर्तों के कलाप के कारण विलीम दोनों की असाध्य पर है;

(2) यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर स्वीकाशात्मक है, तो क्या ज्ञानसर उत्तर गाँवों को कृत्यता में उठाने के लिये कामसर कामप्रय उठाने का विचार रखती है, हीं, तो कृतात्मक ?

\*1077. ओं अर्द्धमित्र उचितिर्या — क्या भीती, स्वास्थ्य विभाग, यह बताता है कि क्या यह चाह चाही है कि अर्द्धमित्र वित्तानन्दनीय एकलत अस्पताल गोपनीय में जूँचा जाएगा या उपलब्ध नहीं है, यह तो तो क्या चाहता है उपलब्ध अस्पताल गोपनीय में उक्त दवा उपलब्ध कराने का विचार चाही है, तो, तो क्या ?

#### भवन का विषय

\*1078. ओं अनन्द उमार मिश्ना — क्या भीती, स्वास्थ्य विभाग, यह बताता है कि क्या करना है

(1) तब यह तब चाही है कि गत वित्त के कोष प्रदान अनांत रैक्टर में 6 यह का अंतिरिक्ष स्वास्थ्य केंद्र 1993 से सुचित है;

(2) क्या यह चाह चाही है कि इस अंतिरिक्ष स्वास्थ्य केंद्र का अपना माल नहीं है विस्तर कराना विविधतावाले जाती से साफ्टिनाई होता है;

(3) तोट उपर्युक्त चाहों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या उत्तर उक्त अंतिरिक्ष स्वास्थ्य कानून के तहत भवन का नियमन करने का विचार रखती है, तो, तो क्योंक, तो, तो क्यों ?

#### विकितस्थ को प्रतिनिधित्व

\*1079. ओं अनन्द उमार मिश्ना — क्या भीती, स्वास्थ्य विभाग, यह बताता है कि क्या करना है

(1) क्या यह चाह चाही है कि तैरानी वित्तानन्दनीय जातीपुर अंचल के बरसी एवं भेदभाटी स्वास्थ्य केंद्र का भवन नहीं है एवं वही विकितस्थको के नहीं रहने के बारम्बार दोषियों को विकितस्थ होने 10 मिनटों दूर हाजीपुर जाना पड़ता है;

(2) क्या यह चाह चाही है कि उक्त उपर्युक्त भवन हेतु प्रयोग जमान उपलब्ध है;

(3) जौद उपर्युक्त चाहों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या उत्तर उपर्युक्त स्वास्थ्य केंद्र के नियमन का नियमन एवं विकितस्थ को प्रतिनियुक्त करने का विचार रखती है, तो, तो क्योंक, तो, तो क्यों ?

#### पात्र, स्व-स्टेशन विभाग

\*1080. ओं अर्द्धमित्र उमार मिश्ना — क्या भीती, कृता विभाग, यह बताता है कि क्या यह चाह चाही है कि औरगांवाई वित्तानन्दनीय राष्ट्रीय व्यवस्था के भवन में पात्र स्व-स्टेशन नहीं है, विद्यम स्थानीय जामोंगों को विद्युत आपूर्ति में स्टेशन नहीं है, यदि तो, से सरकार उपराज्य विधित स्थान-भवन से कमाता जाना स्व-स्टेशन बनाने का विचार रखती है, तो, तो क्या ?

### विष्णुसीकरण कारण

\* 1081. श्रीमती बैठी कुमारी—वहा नंदी, उन्होंने विचार, यह बताताने को कृपा करो कि वह यह यहां सत्ता है कि मुख्यमन्त्री लिला के बोधाता विधाये द्वारा द्वितीयमात्र मुश्तिमंडल एवं बोधाता प्रबुपद स्थित मरीका, विश्वस्पूर जावे, विश्वनाथ जागीर, जाधव, इत्यादि वेत्तव्यमात्र में भवत्यन्त स्वामय तथा गामीण विष्णुसीकरण कारण नहीं बिला गया है, यदि ही, तो सरकार उक्त वेत्तव्यमात्र में कवरक विष्णुसीकरण कर विश्वासीकरण करने परा विचार रखती है, तभी, क्या कहें ?

### विष्णुसीकरण कारण

\* 1082. श्री जगन्नाथ जाकर संहो—वहा नंदी, वहां विभाग, यह बताने की कृपा करो कि—

(1) वहा यह बता सकता है कि औरंगाबाद विलालपत्र औरंगाबाद प्रबुपद सर्वेन प्रबुपद में विश्वासीकरण का कार्य बताया जा रहा है;

(2) वहा यह बता सकता है कि उक्त प्रबुपद्वारा में विष्णुसीकरण का विभाग बताये जायें जायें है या गृहान्वयात्रा जहां है एवं कार्य में बाधा द्वितीयलालपत्र जहां जहां है;

(3) यदि उपर्युक्त जहां को उत्तर बोधाकारामक है, तो सरकार इसकी ओर जगन्नाथ विष्णुसीकरण का कार्य यूपा करने का विचार रखती है, तभी, क्या कहा ?

### पदाधिकारियों पर जारियाँ

\* 1083. श्री फिलेंड कुमार—वहा नंदी, स्वामय विभाग, यह बताने की कृपा करो कि—

(1) जहा यह बता सकता है कि नालंदा विलालपत्र भासता प्रबुपद में ग्रामीण स्वामय केन्द्र भवन के बाहर में अस्तित्व भवन का निर्माण वर्ष 2011 में होना गया है;

(2) वहा यह बता सकता है कि उत्तर अस्सिक्षा भावग के निर्माण उम्मीदानित गणि 2 कार्यक्रम 61 वर्ष 41 दिन 950 लाख रुपये था;

(3) वहा यह बता सकता है कि ग्रामकालन के ग्रामीण उत्तर बोधाता विभाग द्वारा निर्माण बायं जहां है से भवन का नीवार जहां लार्ड फालकर बवाद हो गया है;

(4) यदि उपर्युक्त स्थलों के उत्तर स्वीकारामक है, तो क्या सरकार ग्रामकालन के ग्रामीण उत्तर भवन का निर्माण कार्य नहीं करते, वहो सम्बन्धित लोकारकारियों के निरुद्ध जौँच करकर कर्तव्य फरते का विचार रखती है, तभी, क्या कहो ?

### पदव ता निर्माण

\* 1084. श्री रवींद्र सिंह—वहा नंदी, स्वामय विभाग, यह बताताने को कृपा करो कि—

(1) वहा यह बता सकता है कि अरवल लिला में ए०पी०ए०स०मी० एवं ए०पी०ए०स०मी० की यूपा स्वीकृत स्वामय कोन्डा पीर संघर्षा 93 है, जिसमें 48 स्वामय कोन्डा जो ही अपना भवत है, लोप 45 लाखमय केन्द्र भवनन्दीय है;

(2) यदि उपर्युक्त स्वामय का उत्तर स्वीकारामक है, तो क्या सरकार उक्त भवनन्दीय स्वामय कोन्डा का अपना भवन निर्माण करने का विचार रखती है, हो, तो कवरक, नहीं, तो क्यों ?

\*1085. श्री (मो-१) नेमदुलाला—जया मंत्री, पर्वत विभाग, यह जलाशय को कृपा करोगे कि—

- (१) वयों वह बात सही है कि भौपलांग विद्युतनगरी कीली प्रधारणालाल देहो गंड में इकाए वर्ष १९४३ में उत्तर भारती का भारत भवित्व भवित्विता है, जिसे पर्वतक द्वारा घोषित करने के निमित्त यम विभाग द्वारा विचार अप्र० २०१० ।। में ०। आद्य लघु यि व्यापारी प्रधान भारी भी, विद्यालय से कोराम भी व्यापार स्थापना की कार्रवाई करने के उल्लेख अवधार में यह कार्रवाई गया;

- (२) ऐसे उपचारक व्यापार का उत्तर स्वेकारात्मक है, तो सरकार उक्त कार्य को पूर्ण कराने का विचार लें, तो, श्री कमलका, तांडी, श्री जया ?

### मंदिर का विकास बताओ

\*1086. श्री वार्षि कुमार—जया मंत्री, पर्वत विभाग, यह जलाशय को कृपा करोगे कि—

- (१) वह यह जया मंत्री है कि सहरसा वित्तालयमें उमर परियां, राजस्व में अधीक्षा जला जानी चाहिए एवं भारतीया जला व्यवस्था वह दृष्टिकोण लेना है;

- (२) जया यह जया मंत्री है कि सरकार ते उक्त लघुगांव विकास के लिये तो करोड़ रुपये का आवादा अप्र० २०१२ ।। में किया जा, जिसके आवादा जल यांत्रि का उपयोग नहीं किया गया;

- (३) श्री० उपर्युक्त लघुहों में उत्तर-स्वेकारात्मक है, तो सरकार पर्वतक भवित्वांग उत्तर एवं संक्षेप कार्यों में यह विकास करने का विचार रखती है, तांडी, तो जया ?

### बीर जारी

\*1087. श्री रंजना सहा—जया मंत्री, अन्यान्य विभाग, यह जलाशय को कृपा करोगे कि—

- (१) वयों यह जया मंत्री है कि जलाशय वित्तालयमें संतुष्टिपूर्ण प्रबोध के महज में अतिरिक्त प्रार्थनिक व्यापारक लान्ड भवित्विता है;

- (२) जया यह जया मंत्री है कि उक्त वित्तालय के उपर्युक्त विद्यालय एवं नई विद्यालय इन ते उक्ते प्रार्थने का व्यवाय नहीं करते हैं जिसकी कारण भीजो को इनके जलाशय में कलिनार होती है;

- (३) वही उपर्युक्त जंडो के उत्तर स्वेकारात्मक है, तो सरकार इसको जारी करानार दामों के विषद्

- \* जीसन दो जारीवाह करात्मक कराने का विचार रखती है, तांडी, श्री जया ?

### गैंधी भवित्वांक विवाद

\*1088. श्री उपर्युक्त कुमार—जया मंत्री, पर्वत विभाग, यह जलाशय को कृपा बढ़ावा देंगे कि—

- (१) जया यह जया मंत्री है कि राष्ट्रीयमान भवित्वांक गैंधी भवित्वांक के उपर्युक्त विद्यालय यांत्रि संघ, १९१२ में मंत्रिलाली, चन्द्रलीला, गंगापुर, गामगांधी, वीरगांधी, लखनापुर, छाका, मानुजन, मित्रहरण और ज्योति ये व्यवाय जूलू लेना विदेश के पर्वतक आता है;

- (२) वही उपर्युक्त ज्याह जलाशय विवादक व्यवाय जूलू लेना विदेश के तहत भीभी विकेट जला विकास करने का विचार रखती है, तांडी, श्री कमलका, तांडी, तो जया ?

\* 1049. श्री अमरप भट्टाचार्य कथा यही भवताने को कृपा करें तिनि कि-

(1) यह यही बहु सही है कि उत्तराधिक विजयनगर अधीक्षी प्रद्युम्न एवं चतुर्भुजा प्रद्युम्न में समीक्षा आहुष वाह, द्वारिप, बहादुरगुरु, भारतीय, शूष्मा एवं उनी इकारपुरात् त्रृत यहाँ प्राचीनक भवतान्य लेन्द असंतित है यिसे अपना भवतान बत्ती है, यिसके बाबत उक्त भूमि राजा वीर भासुद्गीवा भवतान या विवरण को भवतान में भवत रहा है;

(2) यह उपर्युक्त व्याप्त के उन्न विवरणाद्याद्य है, तो भवतान वापतान उक्त भवतान अतिरिक्ता आम रूपां बान्दों को भवता भासुद्गीवा कराने का विवर रखते हैं, तभी, तो क्यों?

### स्थित यहो क्षेत्र भवता

\* 1050. श्री विष्णु महावीर कथा मंत्री श्यामल विभाग, यह भवताने को कृपा कराने कि कथा यह भवत यही है कि वीरामप्रसादाचार्य, उत्तराधि के स्वामी तथा को ल्लोकृत ७६१ ईसी में से ६३३ वर्ष विभागे तथा यही में वीरामप्रसाद वडन म्लोकृत १४० वर्षों में ५०० वर्ष विभागे ५ वर्षों से वीरामप्रसाद अपेक्षाक तथा वीरामप्रसाद के ३-३ स्वामीकृत यह विज्ञन त्रृत यही में एवं तरीम सातुका तथा भवतान्यक मातृका एवं एक-एक यह विज्ञन या वर्षी से विभाग है, जिससे भवतान्यक साता भरी ताड़ प्रथाविक यो गया है, यार तो, तो यहो भवतान विज्ञन यहो को भवते का विवर रखते हैं, तभी, तो क्यों?

### विविभासकों को विभिन्निभूक्ति

\* 1051. श्री अभित कुमार कथा यहो व्याप्त व्याप्त विभाग, यह भवताने को कृपा करें तिनि कि--

(1) यह यह यही सही है कि विभाग के सभी भवतानों असमान्ये तो विभागे ऐतिहासिक विभिन्नतया को सुधिष्ठित भवतान्य है;

(2) यह यह यही सही है कि वाप तामों को वीरकालिक भवतान्य नाम के विभे इत्येक भवतानी असमान में अल्पोदिक एवं हामियार्पितक विभावाको को प्राप्तिसुखत तभी को गया है;

(3) यह उपर्युक्त व्याप्तों के उक्त विभागाद्याद्य है, तो यह भवतान विभाग के सभी भवतानों भवतान में भ्राम्यनिक एवं हामियार्पितक विभावालाला को प्राप्तिसुखित वासने का विभाग स्थिती है, हो, तो कलाक, तभी, तो क्यों?

### रामो भग्ने भग्ने भवतीन विभाग

\* 1052. श्री अभित भट्ट कथा मंत्री व्याप्त विभाग, यह भवताने को कृपा करें तिनि कथा यह यही सही है कि भास्तुर विभाग के विभाव लाल नाम विभिन्नता महाविकालय, भास्तुर में १४०० (आठ०आठी) वर्षोंन एवं इक्ष्ये मरीचन नहीं रहने के बाबा रामियों को उत्तराव वासने में कोठनाही रहती है, यार हो, तो भवतान विभाग विभिन्नता महाविकालय में वासनाक एमा) वास्तुरभावी) एवं इक्ष्ये मरीचन वासने का विभाव रखती है, तभी, तो क्यों?

### विद्युतीकरण कारोगी

**\* 1093. ओं राम लिखाएँ-** क्या मत्ते कर्वी विभाग, यह जलालन की कृपा करेगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चीम बंगाल लिंगानगर रामगढ़ के भैरवनाथ, भोजेन, नानुजा, डल्लालिमुर, खरिस्पो लिंगायत, नानया दोला, द्वाम टोला, सानामी टोला आदि गाँव विद्युतीकरण से लाभित हैं, विद्युत कारण मेंधारी लाइ-चाउड़न की पटम-पटम में लाइटिंग होती है, साथ ही लोग अप्रैर में भी रहते हैं;

(2) पर्यावरण दानव या उनके लिंगायतसमाज है, तो क्या भवितव्य उपर गाँव वा विद्युतीकरण करने का विषय गलती है, नहीं, तो क्यों ?

### विधाय पटो याएँ भरना

**\* 1094. ओं राम लिखाएँ-** क्या मत्ते, ल्यालन विभाग, यह जलालन की कृपा करेगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि एवं लापाल लिंगायत के अंगरेज अनुभवितीय अस्पताल से चिकित्सकों के ५ लाख रुपये कहा है, विसमें । ५८ सौता चिकित्सक का भी है;

(2) क्या यह बात सही है कि एवं (1) में चिकित्सा अस्पताल में चिकित्सकों के ५ लाख विषय से संबंधित है;

(3) क्यों उपर्युक्त खातों के उत्तर लिंगायतसमाज है, तो सरकार छोड़ (1) में चिकित्सा अस्पताल में चिकित्सकों के विषय पर्याप्त को भरने का विषय गलती है, ही, तो क्या कहाँ, नहीं, तो क्यों ?

### महाराज लिंगायत कारोगी

**\* 1095. ओं लिंगायत कारोगी खेलना**— क्या मत्ते, कर्वी विभाग, यह जलालन की कृपा करेगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिमी शहर के कई महाराजों के बैठकीरण हाले तो यदि महाराजों के बीच में सेकेन्डो फोल एवं द्विसफ्टर्म-आ गय है, जिसे अधिकारक समझ के किनारे नहीं किया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि राजका या से विद्युती वा ज्वाला एवं द्विसफ्टर्म-आ नहीं हालामें हो आये हिंदूपटलाई अपनी रहती है;

(3) क्यों उपर्युक्त खातों के उत्तर लिंगायतसमाज है, तो क्या सरकार राजका पर लिंगायत लिंगायत के खेल एवं द्विसफ्टर्म को महाराज के किनारे छान आ विषय गलती है, नहीं, तो क्यों ?

### चिंगालाल का प्रतिनिधित्व

**\* 1096. ओं राम लिंगायत राष्ट्र**— क्या नज़ी, ल्यालन विभाग, यह जलालन की कृपा करेगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समाजों-विद्युतीलाली-इमप्राप्त-विभाग-सभा खेड़ का प्राधिकारक ल्यालन के, उमरपुर तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, विभाग में संलग्न चिकित्सक पदस्थापित नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि उपर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर महिलाओं को प्रमाण जारीने में परेशानी होती है;

(3) क्यों उपर्युक्त खातों के उत्तर लिंगायतसमाज है, तो उत्तरका कबरक उच्च राजस्थान केन्द्री (प्रियांशुमान) का महिला चिकित्सक का प्राथमिकिता करने का विषय रखती है, भरी, तो क्यों ?

\*1097. श्री फैवार्थ अहम्— कथा मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह खातानन्द को कृपा करेंगे कि क्षमा यह बात नहीं है कि सभुकर्मी निलानन्दसंत विद्वान् पद्मदेव के प्रत्यक्षक स्वास्थ्य केन्द्र, गिरिहों में चलाएँगों नहीं है 1947 उत्तराखण्ड का आवाय जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, तरह ही तो सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र के बीचही अवधारणा, एवं व्यापारदोषार्थी का उत्तराखण्ड नियमों कराने का विचार स्थापित है, तरह, तो क्या ?

#### चिकित्सकों का प्रतिनिधित्व

\*1098. श्री मन्दिरिजाराम माटड़— कथा मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह खातानन्द को कृपा करेंगे कि आप यह बात नहीं है कि गठनात्मकी विषय की तुक गोपनीय चिन्ह अस्पताल तिथि में चिकित्सकों के 32 वर्ष अवधिकृत हैं, जो विकास भाइ (३) चिकित्सक पदस्थापित होने के कारण अधिकारी नगरियों को चिकित्सकों की अपेक्षा जटिलाई का सामना करना पड़ता है, यारि ही, तो सरकार उक्त अस्पताल में चिकित्सकों के 32 अवधिकृत पद पर जटिलियों करने का विचार रखती है, तरह, तो क्यों ?

#### चिकित्सकों का प्रधानाधिकार

\*1099. श्रीमती अमृता देवी— कथा मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह खातानन्द को कृपा करेंगे कि—  
(१) यह यह बात नहीं है कि नवाया शिक्षान्वयन प्रकारीन्द्रियार्थी में एक आधारिक स्वास्थ्य केन्द्र वर्ष 1947 के तुक दो स्वास्थ्यपत्र है;

(२) कथा यह यहां मही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक जब भी व्योम्युनल घट के विस्तर अभी नाम एक (१) चिकित्सक पदस्थापित है तभा वर्ष 2005 वर्ष में भीता चिकित्सक का यह राजनी पद है;

(३) यह उपर्युक्त लंडों के उत्तर स्वीकारामक है, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में उत्तराखण्ड चिकित्सक संघिने अन्य चिकित्सकों को पदस्थापित करने का विचार रखती है, तरह, तो क्यों ?

#### जनरल डॉक्टर, भौतिक विभाग

\*1100. श्रीमती द्वितीया शीर्ण— कथा मंत्री, जनरल विभाग, यह खातानन्द को कृपा करेंगे कि—  
(१) कथा यह यहां नहीं है कि सोलामारी विभागाना बोरारीड प्रदौड के परम्परामधूर स्वास्थ्य के कार्य (१) के महादेव ठाना में यिन्हाँको का तार, भौतिक विभाग (१) कार्य में जड़ते हैं;

(२) कथा यह यहां नहीं है कि उक्त विभागों को शहर, यौस बड़ी गांव की आपासा विभागी की आपूर्ति यात्रों वापिस होती है;

(३) यहि उपर्युक्त शहरों के उक्त स्वीकारामक है, तो कथा सरकार उक्त विभागी के उक्त गांवों को बदलने का विचार रखती है, तरह, तो क्यों ?

\*1101. लो मुद्राम् प्रसाद्— क्या भीती, जलो विभाग, यह बालाने को कृपा करें कि क्या यह यहाँ है कि भैबूष्ट जिता के तापी विद्युत-सम्बन्ध के विभागीकरणात् वाराणसी में अजगाका विद्युतीकरण नहीं किया गया है, भैर ती, तो क्या सरकार उक्ता गोदावरी के कालाका विद्युतीकरण को लाने का विचार रखती है, तबी, तो क्या ?

#### वारिचार्य वर्तने

\*1102. ओ विजय ब्रह्मर लोमकर्— क्या भीती, जलो विभाग, जल कलाने को कृपा करो कि—

(1) क्या यह यात रहती है कि देवदलन इयाभाव गाम विद्युत शोजन अन्नगत 250 आधारी यात रहते साथ उभी ठेंटे एवं गौव के विद्युतीकरण किया जायेगः;

(2) क्या यह यात रहती है कि भौतिकी विज्ञा नहीं गामी विज्ञा के ठेंटों-दोहलाने में विज्ञानी पर्यावरण का नाम पर विज्ञानी गरीब, लोगों से दुश्मान बुल बमूल रहती है तथा योंत पर वायरिंग में घूमने वाले का प्रवास विज्ञा तो रहा है;

(3) भैर उपर्युक्त रहतों के उपर विद्युतीकरणात् है, तो क्या याकार इसकी जाँच वाराणसी कालाने के विहृद करेंगहूं करने वाले विचार रखती है, ती, तो कालाका, नहीं, तो ज्ञान ?

#### इकामों की व्यवस्था करना

\*1103. ओ लक्ष्मी लक्ष्मवाप्— क्या भीती, स्वास्थ्य विभाग, यह जालाने को यहाँ लेने कि क्या यह यात रहती है कि देवदलन विद्युतीकरण नौहड़ा रेफरल जलालान में जीवन रखने वाले के आधा ही पर्यावरणीय या एवं नहीं यह विज्ञा 3 वर्षों ते जम्हार है, विसर्गे जल सेवा के गोप्यों को विद्युतीकरण का यामन करना यह रहा है, भैर ती, तो मालान उक्ता अस्थान वे जीवन रखने वाले जीवन एवं मृतों जीवन रखने वाले विवरण रखते हैं, ती, तो यह ?

#### भवन करने

\*1104. ओ वीरेन्द्र ब्रह्मर रिहे— क्या भीती, स्वास्थ्य विभाग, यह जालाने की कृपा करें कि

(1) क्या यह यात रहती है कि वीरामाया विद्युतीकरण जलन प्रसादें के याम-संस्करण में डॉ-स्वास्थ्य विज्ञा उत्तु-जालों द्वारा उत्पन्न वाले 15 डोसरमिल यमीन का रीविट्टी-पर इसा गत्त है, विसर्गा डॉसर से अन्यतरी प्राप्त है;

(2) यदि डॉसरमिल रहते वाले उत्पन्न जलाने वाले उक्ता उप-जलालान के वाले अन्यतर जमीन पर बनाने का विचार रखते हैं, ती, तो कालाका, नहीं, तो यह ?

第六章

\*110. श्री रित्येश चन्द्र यात्रा—तथा मंत्री, उन्ने लिखा है, यह फलाने को कुछ चाहते हैं—

- (1) जल यह बात सती है कि सरकार विषय अंगठी चिमरी चम्लियांसु प्रश्नण के बजाए पर्याप्त उत्तरांश प्रश्नण के असत्तरी दीन दमान उत्तरांश ज्ञाति जोड़ना से पावर सर्व-स्टेटमें बदलने का मर्क्षण एक साल पूर्व लिया गया था :

- (2) काम वाले भारी हैं कि उपर्युक्त सम्बन्धों का नियमण होने से उस शोर के क्रियाएँ और दोषों के लिये सामग्री दे विभागी उपलब्ध हो जाएंगी :

- (३) परि उपस्थित व्याधों के उत्तर स्वास्थ्याभावक हैं, तो सखार क्षेत्रीक जाठस्थर एवं अलगों में गवर्नर महानेश्वर का निर्माण करने का विचार उठानी है तभी को क्या ?

विजयनगर राज्य

\*1106. श्रीमती बंडो लक्ष्मारी - मां नरी, जलशक प्रवेषका विभाग, यह असाने कृपा करें कि यह एक सत्ता मत्ती है कि मुख्यमन्त्री विभाग के बोधवा विधाय-रमा देवचन्द्रन घटी मंडक मरी के कालांग काला २३ से ३० वर्ष पूर्व से ही महाव विभारे बौधन उपर विलयापाता परिवार जीवन छोड़ रहे हैं, यहि हीं तो कब्जाक मरकार मध्ये विस्तारित वारचरों को बढ़ाने का विवर रखती है, तरीं तो कर्त्ता ?

五  
五

\* 1107. श्री मिथिदेवा किंवद्दे—क्षमा मन्त्रो, स्वाम्यग्र विभाग, पह चलताने को उपा कराए नि—

- (1) क्या वह बात सही है कि राजन के दरभंगा, भागलपुर, गढ़, मुकम्फसपुर, महारामा, मुर्धन्य गढ़ और कूट 21 लिंगों के साकारी अध्यात्मों में भवित्व विश्वार्थ के समान्द सुनिश्च हेतु स्पेशल न्यू चॉर्न बोर्ड एवं प्रभावान्वयनीय विभाग द्वारा अध्ययन की गयी है :

- (१) क्या यह बता सकते हैं कि उक्त लिखानों के एस०एन०सी०य० में प्राप्तिशाल कीमियाँ, अन्तर्मुखीकरणकरणों, इनस्ट्रुमेंट्स युक्त प्रवृत्तियों एवं विभिन्न रोग विवेचनों को कामी के कारण नवजाग विषयों का उद्दिष्ट व्यापक रूप से व्याप्ति की गई है ?

- (3) व्यूह उपर्युक्त स्थिति के उचित समीकारणका है, तो उस समीकार तक पहुँचना एवं उसको निकालना (2) में अधिकतर कठिनी को दूर करने का लिया जाता है, ही, तो कवरक, नहीं तो क्यों ?

1000

1108 श्री लक्ष्म कला-कला संगीत साहित्य विद्या आश्रम के हो रखा जाएगा।

- (1) यह जात सही है कि खगदियों किंवा मुद्राओं में द्वारा संचर नहीं है, जिसके कारण गंधीर सम्पर्क में व्यापक मरणों का समुक्त इताह नहीं हो चाहा है, जिसके कारण मरणों की विफिलता कराने हेतु भोजनार्थी जनों पर लगा है।

- (2) यदि उपर्युक्त दांड़ वा उत्ता स्वीकारणात्मक है, तो सरकार लगाड़िया जिला मुख्यमंत्री के गठन प्रस्ताव- 31 विषय संबंधी नियमों में उपर्युक्त वाक्य नियोग करने में कोई विचार नहीं है। नहीं, तो क्यों?

### चिकित्साक्रमियों का प्रदर्शन

\*1109. श्री (दौ) रामतृष्ण प्रसाद—कह मर्जे खानव विभाग, यह बललाले कृपा करो कि क्या यह बात सही है कि यारण चिकित्साक्रमियों प्रधारण के बललीक्षणात् दर्शायत गे नवनिर्मित अस्पताल में डॉक्टरों एवं जन्य व्यक्तिगतियों को प्रतिनिधित्व नहीं होने वाला तो इस बात आप जानते कि चिकित्साक्रमियों में व्यवस्था नहीं नहीं है, यहि ही, तो क्या सरकार यहां अस्पताल में डॉक्टर पर्वे अन्य चिकित्साक्रमियों को उपरक्षणपता करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

### उपराह का जीलोद्धार

\*1110. श्री (भौ) नेमकुललाल—कह मर्जे, पर्सटन विभाग, यह भालाने को कृपा करो कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सोनान चिकित्साक्रमियों व्याहरण प्रधारण के लकड़ी उपराह विस करवाह भालानों द्वाय भक्ताया गया था जीर्ण-हीर्ण अवस्था में है :

(2) यह उपर्युक्त गुंडे का उपर व्यक्तिगतपद्धति है, तो साक्षर इस विशिष्टसिक्ष उपराह का जीर्ण-हीर्ण अवस्थक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

### विद्युतीकरण उत्तम

\*1111. श्री राम विलास पालद्वारा—कह मर्जे, ऊर्जा विभाग, यह बललाले को कृपा करो कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार ने कई 2010 तक ग्रामों के गैंगों गैंगों को ग्रामों गैंगों ग्रामों विद्युतीकरण योजना के तहत विद्युतीकरण करने का विनियंत्रण किया था :

(2) क्या यह बात सही है कि बललाल विलालनीति पीरपेटी प्रश्वार के निम्न गांवों तिलैया टेला, कालीकादा, नीलापक, आदिकासी टेला, गुलालका, ताती टेला, भूतिया टेला, अल्लगंज, फिर टेला एवं लोटे मोहनपुर में विद्युतीकरण नहीं हुआ है जिसके कारण ग्रामीणों को जापी कठिनाई होती है :

(3) यह उपर्युक्त घोड़ों के तहत स्थीकरणपद्धति है, तो क्या सरकार एवीव गैंगों ग्रामों विद्युतीकरण योजना के तहत चर्चित गैंग में विद्युत फैलावाने के लिए औरं-सी आरंभाएँ करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

### पालर उद्दास का विचार

\*1112. श्री विला सामार लंदारी—मर्जे मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बललाले कृपा करो कि क्या यह बात सही है कि अस्तीरण विला के ग्रामविलालगंज प्रश्वार के अन्नीना भौतायत के दोपोल गांव में 8 भेगालाल के पालर सम-स्टेशन का निर्माण 4 चाहे चूर्क विला हाइड्रो पालर प्राइवेट लिमिटेड के द्वाय शुरू किया गया था परन्तु गुल जार्य करने के बाद जार्य 2 चूर्क से बाहर है, योर ही, तो भरकाम उक्त पालर स्टेशन का निर्माण कारपे कमाल पूरे करने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

### विद्युतीकरण करना

\*1113. श्री विनोद कुमार मिश्र—क्या मंत्री, उन्होंने विभाग, यह क्षमतामें को कृपया करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कानिकाल विद्युतीकरण आजमनगर प्रखंड को मरलो, बलासामा, असामवाड़ी, चिंहपुर, खट्टारी, इवगाँव, शिल्पी, पाला, चौथपुर, शैशवाळाड़ी, मलबाजपुर, गोलगाँव, ताल, डाट, बैंगल, नरिया डेंगो, बधम गाँव, कंतापाड़ी, इमान नाम, शिवमानिंद्र डाला, लगाइनामा, खारमुला, कन्दामा, पासामा, दमादेवपुर, पारहापुर, पाला (निमोल), गोपालपुर, अमरामण्डपुर, पालडपुर, बलमगाँव, लबडा, मण्डपुर, कमलपुर, लगोल, गच्छ, नपढ़ा, मन्दिरपुर, बकाल, शिल्पामणी, कामवाडी, चम्पमावाड़ी, विधिमणी, विण्डाल, धूमटाला, विधील, भरनामग, वैरिया शीलामग, अरिलामा में विद्युतीकरण को बड़ा अधिकार दिए जानी चाहिए तथा यहाँ विभाग को लागों को अधिक म राखा जाए तथा है ?

(2) यदि उपर्युक्त घटक का उत्तर स्थीकारात्मक है, तो मरकार उन्हें में विद्युतीकरण का क्या कार्यक्रम लाने का विचार रखती है ?

### चिकित्साको जा यात्रायापन

\*1114. श्रीमती अमृता देवी—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह जलताने को कृपया करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नवाचा विद्युतीकरण वारिसलोग्नक में एक रोपरन अस्पताल कर्म 1983 से स्थापित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इस अस्पताल में चिकित्सक का स्वीकृत पाप उँ : (6) है, विसंक विस्तृद अभी भाज एक चिकित्सक पदव्यापित है, साथ ही वर्ष 1991 से मालाला चिकित्सक को एवं खारी पड़ा है ;

(3) यदि उपर्युक्त घटकों के उत्तर स्थीकारात्मक है, तो भारकार फलाहक उपा अस्पताल में भीला चिकित्सक सहित अन्य चिकित्सकों को एवंव्यापना लाने का विचार रखती है, मंत्री, तो क्या ?

### उपक्रमित जलना

\*1115. श्री (मं.) आकाश अलम—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह जलनामें को कृपया करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि धूपांगी विद्युतीकरण कम्बवा प्रखंड के बोगहीवं पंचायत में गिरा उप-स्वास्थ्य केन्द्र है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उस उप-स्वास्थ्य केन्द्र में जाहां रोपितों के अलावा लापरिया, भलोरिया, चुमोलिया सहित अन्य गोपियों को रखने जापक रहता है ;

(3) यदि उपर्युक्त घटकों के उत्तर स्थीकारात्मक हैं, तो क्या मरकार गिरा उप-स्वास्थ्य केन्द्र को प्राथमिक उप-स्वास्थ्य केन्द्र में उपक्रमित कराने का विचार रखती है, है, तो क्या क्षमता, मंत्री, तो क्या ?

### जलन का लाग देना

\*1116. श्री गम विलाम पासवान—क्या मंत्री, अपल फ्रेंचेन विभाग, यह जलनामें को कृपया करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भागलपुर विद्युतीकरण पीरपेटी प्रखंड के बाटुकुक, बादपुर, चुचामपुर एवं काहलगंगा प्रखंड के खोलानाथपुर, धन्मुक्त गौव में रिकाक ३ फरवरी, 2016 को हुमी अगलामी में आपा गोप जल के रुख हो गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि अगलामी से प्रभावित बाजार को इन्हिं अगलाम जलना का लाग देने का मरकारी प्रावधान है, परन्तु अधीक्षक उक्त गौव के पोहित गरिवाड़ी का इन्हिं अगलाम जलना का लाग नहीं दिया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त घटकों के उत्तर स्थीकारात्मक हैं, तो क्या मरकार उपा गंवि के पीहित परिवारों को इन्हिं अगलाम जलना का लाग देने का विचार रखती है, है, तो क्या क्षमता, मंत्री, तो क्या ?

### सामाजिक युर्जे करना

\*1117. श्री भिरुतेन तिकटी—कह मंजी, सामाजिक विषय, एवं बलाने को कृपा करो कि—

(1) यह यह बात हो है कि अमृती-जहां विद्यालय तीन साल में गुरुपाल के छ. गुरुपाल और तीन नम् याकारी भौदिकाल चालेगा ये विजयिक और आधारभूत सरकारी वो विद्यालय को लिकर लापति इदै बह रहा है ;

(2) यह यह बात हो है कि सबल सरकार द्वारा उन विद्यालयों का विद्यालय लमह-मीमा के बदले दूर कारण का आवश्यक देने की अपी पर एमृती-जहां द्वारा भालियाँ की विद्यालय लेस की अनुमति दी रहा है ;

(3) यह यह बात हो है कि तब भौदिक भूटा न जाने पर भूषे के याकारी भौदिकल भौलियों में जालाकाल के लिये बढ़ाइ गई 210 लीठ वह नव यदै में जालाकाल को बनवो जहां देस को भौलाकारी एमृती-जहां द्वारा दी गयी है :

(4) यह उपर्युक्त योगी के उत्तर सौनाकारपाल है, तो सबल सरकार नवत भौदिकल भौलियों में एमृती-जहां के दूर याकारी अनुमान भौदिकल और आधारभूत सरकारी वो विद्यालय पुरा करने का विचार खोलो है, तो, भी बचाएक, नहीं, तो क्यों ?

### दोस्री पार विवरणी

\*1118. श्री उमेश शिंह कुलाहला—कह मंजी, उत्तीर्णियां, जो याकालों को कृपा करो कि ऐसा यह बात नहीं है कि विशाली विद्यालयों में सरकारी प्रशिक्षण में उपसाधारणी द्वारा उपर्याग लिये गए विशाली के अनुपाय में अवैधिक विवली विश याकारा जा रहा है याकारी विश मुख्य के बास पर जालाकाल में उपर्यागी एवं सरकारी उपर्युक्त द्वारा मीठी रहम की उपर्यागी की जली है, यदि ही, तो यह याकारा दूसरी तीन जालाकाल दोषों पर जारीयां फूलने का विचार योग्य है, तरीं, तो क्यों ?

### विवितीकरण का जारी

\*1119. श्री रीषा अद्वय दुर्वला—कह मंजी, जो विद्यालय वो याकालों को कृपा करो कि ऐसा क्या है यह याकारी है यह याकारी विद्यालय में मुख्यकालीन याकारा विद्यालय द्वारा उत्तर भौदिकल एवं उपर्युक्त भौदिकल में याकारा का उत्तर भौदिकल, कालानी दील से याकारा याकारा उत्तर विवली नहीं रहने के कारण याकारी याकारों को जालियाँ लीती हैं, यदि ही, तो सरकारी याकारी उक्त स्थानीय पर विवितीकरण का कार्रव करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?

### मार्ग वाले विमान

\*1120. श्री अमरनाथ गुप्ती—कह मंजी, सामाजिक विभाग, एवं बलाने को कृपा करो कि—

(1) यह यह बात हो है कि दरभाना विद्यालय याकारा प्रशिक्षण का भौदियों, याकारा, दूर याकारा एवं दूर याकारा के दोषाद्यमध्ये में अवैधिक रहमानी कोटि की भूषण विद्यालय याकारा की स्वीकृति स्वामान्य गुरुपाल विवली द्वारा वर्ष 2007 में दी गयी थी किन्तु विद्यालय याकारा अभीष्टक प्राप्त नहीं हुआ है ;

(2) तरीं उपर्युक्त याकारा का उत्तर भौदिकारायाला है, तो सरकार उत्तर भौदियों में याकारी अवैधिक स्वामान्य बोन्ड को भवन का विमान वालाने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?

### रिकॉर्ड वार प्रश्न

\*1121. श्री मंत्री योगी अध्यक्ष ईमेल योगीयोगी@राजसभा.गव द्वारा दिनांक 14 दिसम्बर, 2015 को प्रकाशित गोपनीक "एसाइटीसीएस" नामकता पर योगी अध्यक्ष हुए कहा गया, स्वाक्षर्य विभाग, या, वित्तान से को कृपा करें तो—

(1) क्या यह यह तात मही है कि योगीयोगी@राजसभा.गव मानकारणी मीम पर एसाइटीसीएस ने 2015 में 90 सेटों के तात पर 100 गोलों का एसाइटीसीएस में नामांकन की सर्वतों सहमति प्राप्त की थी ;

(2) क्या यह तात मही है कि एसाइटीसीएस द्वारा वर्ष 2013, 2014, 2015 में लगातार तीन बार बोलीएससीएस, दरभाल का विवेकानन्द हुए विवेकों के विकास पर्यों को भीष्म भस्ते तथा निर्भय गवर्नर मुक्तारा को देख बाहे योगी अध्यक्ष द्वारा या नामी भरण के बारां बोलीएससीएस में नामांकन ऑफिचिल 10 गोलों का भविष्य अपराध में सहज गया है ;

(3) और उपर्युक्त तातों के उत्तर विवेकानन्द का, तो क्या संसदार उद्दीप्तिमानी@राजसभा.गव में विभागी के विकास पर्यों को भरणे या विचार रखती है, ही, तो क्या काम, नामी, तो क्यों ?

### इकॉ ट्रेनिंग वार प्रश्न

\*1122. श्री राम नहायाम श्रीपति—तात मही, ऊर्जा विभाग, या, विवेकानन्द को कृपा करें तो—

(1) यह यह तात मही है कि श्रीपति विवेकानन्द बारातार-बारात एवं चर्ची अध्यारो वासा-वाजर है, जिसमें श्री सवाद चौथों के गर से गवाना लियारो है, यह तक यह सरोकार बन्द सिंह के गर से बारात अंडियाला उक्त के उपर से हाई उत्तरान तार गुजर रहा है ;

(2) क्या यह तात मही है कि इन दोनों स्थानों के उपर से हाई उत्तरान तार के गुजरने के कारण वही दुर्घटना घट सकती है ;

(3) यदि उपर्युक्त दोनों के उत्तर स्वीकारानन्द का है, तो सरकार इस हाई उत्तरान तार के उक्त स्थान को जप्त से हासाने का विचार रखती है, ही, तो क्या काम, नामी, तो क्यों ?

### इकॉ आपूर्ति कराना

\*1123. श्री आर शीटू—सामाजिक समाजान-पत्र में दिया गया, 2016 को प्रकाशित श्रीपति "चुम्मीच असमाजों में न डॉक्टर, न वाला!" का ज्ञान में रखत हुये कमा महो, स्वाक्षर्य विभाग, यह अलगान सी लुप्त करते हैं कि क्या यह तात मही है कि यह सरकार द्वारा रखने के विकासी के सरकारी असमाजों की स्थिति को जानकारी के लिये गारित टीम के द्वारा दिनांक 28 से 31 दिसम्बर, 2015 तक समर्पित ग्रामीणों में यह दर्शाया गया है कि दूसरे प्रोफेशनल विकास के असमाजों में विकासकारकामय को कमो, संसाधनों का अभाव, उचित निगरानी को नहीं होने के साथ ती जौनम रखक इकाई की अनुसन्धानों के बालू-स्थाचार सरोकार का बाहर से राखा जा कर करना इड याहू है, तो ही है, तो जाय सरकार उस के सभी असमाजों में विकासकारीय संसाधन भवित जीवन रखक इकाई की कार्यतः आपूर्ति बायाम का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

### दोपहर वार कार्रवाई

\*1124. श्री गिलेश कुमार—कमा महो, ऊर्जा विभाग, यह विवेकानन्द को कृपा करेंगे कि क्या यह तात मही है कि दूसरों जितना के जाने वाली जन्माना गुशार गाँव में जैव उत्तरान सब-संदर्भान को लिये उभास का आपातक उन्नर प्रोजेक्ट के द्वारा जही जो याहो है, योह ही, तो इसकी जैव कराकर दीवों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

\*1125. **कृष्णगढ़ जिल्हे—कलंडी विभाग,** यह जलालपते को कृपा करें कि क्या वह बात यही है कि किशनगढ़ जिल्हे के ग्राम्योंके प्रश्नपूछन्मानों ने आवाजानी चलाकर में पात्र सच-स्टेटमेंट नहीं है विषयके कारण इनमें विद्यार्थी व विद्युतार्थी उपनग्न हो गयी है, अदि हाँ, को समझाएँ और आवाज में पात्र सच-स्टेटमेंट बनाने का विचार रखें हैं, मर्ही, तो क्या ?

#### कारंबाहू बताये

\*1126. **लीलापुर जिल्हे—स्पृहविधि वैभिन्न समाजान-पत्र** में दिनांक 6 अक्टूबर, 2016 को प्रकाशित जोधपुक “शिवामी डॉक्टरों को साथ महालालू सरकार का रवेश अपमानजनक” के आलाक में कलंडी, स्वास्थ्य विभाग, यह जलालपते को कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात मर्ही है कि महालालू समाकार द्वारा गवाल के बीच हाम्पोरीयी चिकित्सकों का आइसेस विकार सम्बन्धी हाम्पोरीयी बीड़ एवं ग्रन्थापूर्म के बाबतका गदर कर दिया गया है ;
- (2) क्या यह बात मर्ही है कि विकार तान्द्र हाम्पोरीयों बीड़ द्वारा विकार का हाम्पोरीयी चिकित्सकों को प्रदान करो जानेवाले आइसेस की मान्यता पूरी रूप में है ;
- (3) यदि उपर्युक्त विवरों के उत्तर स्वीकारीमक है, तो क्या समकार द्वारा के उक्त बीम पिंडितसकों के लिए में कार्रवाई लाने का विचार रखें है ?

#### स्वतन्त्र का विषय

\*1127. **ओम्पुरी जल्डी यादव—कलंडी विभाग,** यह जलालपते को कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात मर्ही है कि भारतीयपुर विलालगंड मोहनपुर प्रश्नपूछ के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर्ये ५ एकड़ भूमि उपलब्ध है लेकिन भव्य नहीं है ;
- (2) क्या यह बात सही है कि उक्ता स्वास्थ्य केन्द्र विषय ५ वर्गों से उप-स्वास्थ्य केन्द्र भारतीयपुर में स्वचालित है ;

(3) यदि उपर्युक्त विवरों के उत्तर स्वीकारीमक है, तो क्या समकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीन का विभाग लाने का विचार रखती है, हाँ, तो कृपाक, नहीं, तो क्या ?

#### असमान के भवन का उद्घाटन

\*1128. **ओम्पुरी जल्डी यादव—कलंडी विभाग,** यह जलालपते को कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात मर्ही है कि समस्तीपुर विलालगंड पर्यों प्रश्नपूछ में अनुमंडलीय अस्पताल का खनन वर्ष 2010 में अमंडल लिया हो गया है यद्यपि अपोलोड उक्ता अस्पताल का उद्घाटन नहीं किया गया है ;
- (2) क्यों उपर्युक्त विवर का उत्तर स्वीकारीमक है, तो क्या समकार अनुमंडलीय अस्पताल, घटोरी के भूमि का उद्घाटन कार संघालित जराने का विचार रखती है, हाँ, तो कृपाक, नहीं, तो क्या ?

\*1129. स्वामी रेणुका—क्या भजी, निर्देश विभाग, यह बाताने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह बता सकता है कि भौतिकमयी जिलान्तरी कारबाही पर्यावरण में बोधायन मर (भौतिक) का नियम 240 वर्षों पूर्वाना नवानुवाप्ति विभाग में 1,000 वर्ष पूर्व का शिव मार, अधर्म में 20 गोटीनीया विभाग इर्द बाहुदार प्रदेश के गोदौल ज़िले में 800 वर्ष पूर्वाना गोदौल शारीक मन्त्रालय स्थित है ;

(2) क्या यह बता सकता है कि उपर वर्णित भौतिकमयी भौतिकी पर प्रतिधिवार हजारे अंदरानुओं द्वारा दर्शन एवं पूजा-अर्पण को जाता है ;

(3) यदि उपर्युक्त ज़िलों के उच्चर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या उत्कार उक्त वर्णित भौतिकमयी भौतिक स्थान गोपित करने एवं मूलभूत आपारपूर्ण संविधान भौतिक ज़िले हेतु कौन-सी खारेयाई क्रचारक करने का विचार उपलब्ध है, तो, तो क्या ?

#### चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति

\*1130. श्री अनीत राम—क्या भजी, व्यासन्य विभाग, यह बाताने की कृपा करोगे कि क्या यह बता सकता है कि भागलपुर जिलान्तरी-भौतिक आपत्तान, भागलपुर में चिकित्सकों का स्वीकृत पद 17 है तिसमें मात्र 7 चिकित्सक ही प्रतिनियुक्त हैं, यदि हो, तो उक्त व्यासन्य में चिकित्सकों का विल एवं पर मरकार चिकित्सकों की क्रत्वात्क प्रतिनियुक्ति करने का विचार उपलब्ध है, तो, तो क्या ?

#### बेडों की संख्या बढ़ावा

\*1131. श्री रघु कमल देवी—क्या भजी, स्वास्थ्य विभाग, यह बतानाने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह बता सकता है कि पीएमआरसीएलसी का आकारिक विभाग में बेडों की संख्या कम है ;

(2) क्या यह बता सकता है कि पुरे राज्य से इनाहे हेतु मरीज फटना आते हैं जिन्हें आकारिक इत्याज के क्रम में बेडों की संख्या काम रहने से बाहिनी नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त राज्य के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार क्रयत्व पीएमआरसीएलसी के आकारिक विभाग में बेडों की संख्या बढ़ाने का विचार उपलब्ध है, तो, तो क्या ?

#### स्वास्थ्य केन्द्र खोलना

\*1132. श्रीमती गुलबार देवी—क्या भजी, स्वास्थ्य विभाग, सह बाताने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह बता सकता है कि मधुपुरी जिलान्तरी-भौतिक प्रशासन कित्ति कोसी दियारा के पर्याप्त एडगार, बरसीपट्टी, डारह, द्वालखा, महारातीया, चक्रजग, भट्टाचार्य कलापाल में स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है विसमें ज़क्क पर्याप्ताने के बासिन्दे जो जाव से नहीं जाए कर पीएमआरसीएलसी भौतिक इत्याज हेतु जाता गवहता है ;

(2) यदि उपर्युक्त छहूँ के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार अपेक्षित नवायतों के द्वालखा-गाँव में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलाकर वारों के तापानासों जो इत्याज या सुविधा उपलब्ध कराने का विचार उपलब्ध है, तो, तो क्या ?

\*1133. श्री गिरेन्द्र कुमार गांग--कथा मंडो, लवास्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) कथा पह जात सही है कि स्थान जिसे के मध्ये विभृत प्रभावित स्थानस्थ बैन्ड-सह-रेफल अस्पताल के भवन, जाला, सदाक, बाहराही जील, शौचालय इत्यादि भवनस्तो के अधार में जार हो चुके हैं ;

(2) विदि उपर्युक्त स्थान का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो कथा सरकार उक्त अस्पताल के भवन, सदाक, बाहराही जील, शौचालय इत्यादि को भास्मारी करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब्जक, नहीं, तो क्यों ?

### अवधारणा सुधारना

\*1134. श्री कुमार यशवद गुप्ता--कथा मंडो, जार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि कथा पह जात सही है कि गृहपालारपुर जिला के बुजाहो प्रखण्ड में लगे विजली के तार, पोता पर्व दूर्भासामर की स्थिति जर्मी है जिससे लोगों द्वे खाती असुखिया का स्थमन करना पड़ता है, परि हाँ, तो सरकार कब्जक उपर्युक्त में विजली की अवधारणा सुधारने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

### पर्वतक स्थान के हथ में विकसित करना

\*1135. श्री विशेष प्रसाद यादव--कथा मंडो, पर्वतन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि कथा पह जात सही है कि--

(1) कथा पह जात सही है कि यह जिलान्तरी रोमाणी प्रखण्ड के नाम पंचायत अनार्गत द्वितीय नीर एवं गुप्त और ऐतिहासिक भवित है ;

(2) कथा पह जात सही है कि उका भवित जील-जीण अवधारणा में रहने के कारण वहाँ की मृतियों को दूर नहीं नहीं रखा जाता है ;

(3) कथा पह जात सही है कि उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त ऐतिहासिक भवित को बनाने के लिए जारी नहीं विकासित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब्जक, नहीं, तो क्यों ?

उत्तर--(1) अवधारणनका है।

(2) नहीं राजनका है।

(3) जिला के विभिन्न ज़िलों में ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के रखत है, जिनका भवित के विभिन्न ज़िलों में विकास जिला जागा आवश्यक है। जिलार में योग्यता को असीम सांभावनाओं को देखते हुए विभिन्न ज़िलों ने हमें यह विभिन्न विभाग लिया यहा है जिसके आलीक में पर्वतन को नदियाँ देने हुए उक्त के बाहराही गांडा ज़िले को बाहराही तरीके से विकासित किया जायेगा। इस प्रयोजन के द्वारा जिला यादोगिकारियों ने योग्यता (53, दिनांक 21 अगस्त, 2016) द्वारा जिलाकार सूचना भागी गई है।

### विकितक और नर्स की प्रतिनिधिका

\*1136. श्री मनोहर/रमाय सिंह--कथा मंडो, लवास्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि कथा पह जात सही है कि अवधारण उपर्युक्त के अवधारण प्रखण्ड के विभिन्न ग्राम पंचायत के गीरोपुर ग्राम में स्थानिक रुप-स्वास्थ्य बैन्ड का भवन है सेक्षित यहाँ विकितक और नर्स प्रतिनिधिका पदस्थापित नहीं है, यद्यु हाँ, तो कथा उत्तरकर नहीं विकितक और नर्स पदस्थापित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

\*1137. डॉ राजेश कुमार—कथा भी, मार्गदर विभाग, यह बालकों की कृपा करने कि—

(1) कथा पह बात सही है कि यूनी अध्ययन विभाग द्वारा कलार्थ प्रश्नांड में भालान बूढ़ा का चोढ़ना है जिन्हे बदलने के लिये इस-विभाग से प्रतिक्रिया प्रभावी आवे है;

(2) कथा यह बात सही है कि पर्सिकों के लिये उफा स्पृह पर प्राप्ति, प्रेषत एवं योगी की व्यापका व्यवस्था मही है;

(3) यदि उपर्युक्त व्याप्ति के उत्तर स्वीकारामक है, तो कथा सलाह उत्तर पर्सिक उपस्थिति पर प्राप्ति, व्यवस्था एवं साधनों की व्यवस्था बदलने का लिया रखने है, तो कथा व्यवस्था उठी, तो कथा व्यवस्था उठी, तो कथा ?

### सलकारी नीतियों द्वारा

\*1138. अंग्रेजी भागीरथी द्वारा—कथा भी, उपर्युक्त विभाग, यह बालकों की कृपा करने कि—

(1) कथा पह बात सही है कि प०. व्यापका विभाग के द्वारा प्रभावी व्यवस्था के लिये व्यापका व्यवस्था भागीरथी को मृत्यु दिनांक 24 दिसम्बर, 2011 परे विद्युत स्वयंपाठ से दो गई थी;

(2) कथा पह बात सही है कि यू०. वैद्युत की मृत्यु के परम्परा अभियंत्र इनके विद्यार जो तो युवानामा भिन्न हैं और न हो उनके परिवर्तन के एक व्यवस्था को नीतियों ही दी गई है;

(3) यदि उपर्युक्त व्याप्ति के उत्तर स्वीकारामक है, तो कथा सलाह उत्तर मृत्यु स्वयंपाठ विद्युत व्यापका के प्राप्ति की व्यवस्था के साथ-साथ व्यवस्था नीतियों ने कथा विभाग उठाया है, तो कथा व्यवस्था ?

### व्यापका उप-कानून व्यापका

\*1139. श्री फृष्टाचार अहमद—कथा भी, व्यापका विभाग, यह बालकों की कृपा करने कि—

(1) कथा पह बात सही है कि मध्यस्थी विभाग के विद्यार प्रश्नांड में लज्जा, विस्तृत, दुर्जीत्या, व्यापका एवं तहिका प्रश्नांड के अनुसैयापूर्व इच्छा में व्यापका उप-कानून जारी करनाये दीते हैं;

(2) यदि उपर्युक्त व्याप्ति के उत्तर स्वीकारामक है, तो कथा सलाह उत्तर यौवां में व्यापका उप-कानून का विभाग नीति है, तो कथा व्यवस्था, जहाँ तो कथा ?

### विद्युतीकरण व्यापका

\*1140. अंग्रेजी (द्वारा)—कथा भी, उपर्युक्त विभाग, यह बालकों की कृपा करने कि—

(1) कथा पह बात सही है कि सलाह उप-कानून में व्यापका विभाग में विद्युतीकरण व्यापका विभाग जारी करनी चाहिये है;

(2) कथा पह बात सही है कि उपर्युक्त स्वीकारामी विभाग के विद्यारों द्वारा उपर्युक्त व्यापका एवं द्वारा विद्युतीकरण का विभाग भीमी गति से किया जा रहा है, विस्तर साक्षात्कार व्यापका एवं व्यवस्था के गोपनीय प्रश्नांडों व्यवस्था, व्यवस्था के व्यवस्था एवं में विद्युतीकरण का व्यापका एवं व्यवस्था 30 वर्षाना दबा दी गयी है;

(3) यदि उपर्युक्त व्याप्ति के उत्तर स्वीकारामक है, तो सलाह उपर्युक्त स्वीकारामी विभाग के व्यापका विभाग प्रश्नांडों में दीक्षा दी गयी है विद्युतीकरण का कार्य विभाग का विभाग रखा है, तो कथा ?

\*1141. श्री महेश वार्ष—कह मैं, समझ लिया, वह बहुते को कृपा करोगे तो—

(1) ज्या छह बाज़ में हि लोलपु लिलापुर पद्मसु ग्रन्थाएँ के उपग्रन्थ, एवं युर्दि, जलासुर और भौंगे ने यज्ञमय उपकरणों पर तभी हठ उपकरणों का विवरण जो उत्तम है, वे निम्न बहुत में ही अधिक्षम होते हैं।

(2) यह उपर्युक्त जह जह यज्ञमय उपकरण है, वह वह समाज लोगों की स्थान्या उपकरणों का विवरण नहीं है, ही, वह जलासु तो, तो क्यों?

### विवराद्यां को व्याख्या

\*1142. श्री रामानुजा प्रसाद—वह मैं, समाज लिया, वह व्याख्याने को कृपा करोगे तो—

(1) वह यह बाज़ महों हि लोलपु लिलापुर पद्मसु ग्रन्थाएँ जीवन्यु व्याख्या इत्या उपर्युक्त उपस्थान्य के द्वारा वह उपकरण लिया है जो से वह दुर्लभ है;

(2) कहा यह बाज़ महों हि लोलपु लिलापुर पद्मसु ग्रन्थाएँ जीवन्यु व्याख्या लिलापुरांहों पर्यवेक्षणों विवरणों की व्याख्या नहीं हो सकती है;

(3) वह उपर्युक्त बहुत का इस उपकरण है, वह वह समाज वज्ञ स्थान्या वज्ञ विवरणों एवं उन विवरणों का वर्णन करते हैं, ही, वह उपकरण को को कहो?

### विवितात्र को शब्दानुसार

\*1143. श्री (द्वै) गुरुद्वय—वह मैं, समाज लिया, वह बहुते को कृपा करोगे हि वह वह सात महों हि लोलपु लिलापुर पद्मसुर जीवन्यु व्याख्या उपकरण के व्याख्यान्य के द्वारा वह ग्रन्थ वह विवरण लिया रहते हैं तो जारी याम व्याख्या को विवरण करते हैं विवरण रहता है, याद भी, वह उपस्थान्य महों उप स्थान उपस्थान उप नामाना व्याख्यान्य के विवरण व्याख्या होती है, यही, तो क्यों?

### उपस्थान एवं विवितात्र की व्याख्या

\*1144. श्री गोपकृष्ण—लियो लिया उपस्थान एवं वह विषय 23 विषय 301.5 के व्याख्यान द्वारा के शोधित है लियो लिया उपस्थान एवं विवरणों अनुसार उपस्थान को व्याख्या में उपस्थान की कृपा करोगे हि—

(1) वह यह बाज़ महों हि लोलपु लिलापुर पद्मसुर व्याख्या के अन्तर्गत वह इंद्रीर विवरण लगता 500 घण्टों जीवन्यु द्वारा लिया है, जहाँ एटो विवरण वह महात्मा बाबू लीलानंद द्वारा वह उपस्थान करता है;

(2) यह यह सात महों हि लोलपु लिलापुर पद्मसुर में न. तो उपस्थान है और वह ही गरेवों के बीच वह आदर जाती है व्याख्यासुर काम्पों जी लेंदा 150 वर्ष वारों है इसको वारवृष्टि विवरणों को व्याख्या व्याख्या नामाना है;

(3) यह उपर्युक्त व्याख्या के उपरा लीलापुरांहों है, यह यह उपस्थान उपस्थान की व्याख्या द्वारा करती है विवितात्र की व्याख्या, वह एवं व्याख्या के बीच वह व्याख्या जी लिया उपस्थान करती है, भी, तो क्याहां, वही, तो क्यों?

“HAC वी अद्यत प्राप्त गति-का नहीं, रामन्त्र विघ्न, यह बहुत भी गुण परम्॥

(१) जल विद्युत विभाग के लिए सुनिश्चित नियमान्वयनीय बुद्धिमत्ता प्रबोध से संभव है।

(३) अन्य वस्तुओं के लिए उत्तम ग्रेडों में इन्स्ट्रुमेंटों की जरूरत निम्नलिखित ग्रेडों को प्रदान करता है।

(३) यह उपर्युक्त भाषा के द्वारा स्वीकृतगत है, जो कथा सम्बन्धित अपने गोलांचलों में सुनिए पर। इस लालूदान डॉक्टर की ब्रॉडविस्ट्रिल ऐप्प फ़्लॉट्स को लालूदान लारों का विचार लेकर है। तो, तो लालूदान, यहाँ तो क्या ?

Pestivirus serocon-

४१५०. परी संसार गमन-वादय—परा भवेत् उत्तरो विशाम् यह वस्तुतामे जी एक वास्तु वाद है। इस कालीन विश्व के अधिकारी प्रब्रह्मवासी विष्णवी वैष्ण एवं नृणामार्थी योग ये विद्युत्तराम नहीं हैं वे काला वैष्ण ने विश्व काल वही जीवा जी जाति जी अपकार का विपर्या वाला पड़ रहा है, वह इसी विश्वामय कालामात्र द्वारा विभिन्न लोग में विद्युत्तराम घटाये जा विद्युत्तराम है, वही जो वहो ?

Digitized by srujanika@gmail.com

1147 里，出此山一脉，即为大庾岭，又名武阳山。在今广东省

11) निम्नलिखित में से कौन सा विकास योजना है ?

(३) वह यह जा सकते हैं कि भूमिका न लगाने वालों में शोषणम् उत्तरों में लगाने वालों  
ने इसी को जा सकते हैं;

(१) नायि उपर्युक्त व्यापारी ने जात्रा-संचयालयक के द्वारा बना सरलार नहिं पर्याप्त वार्षीय एवं वार्षिक दो बालीयों का अधिकतम वित्तीय वार्षिक दो दिवसीय रूपमें है। इसके बारे में निम्नलिखित वार्षिक वित्तीय वार्षिक दिवसीय रूपमें है।

三

\*116 भी विस्तृत कृत्यों में—कल सभी, जल विद्युत, वर्ष बहलाने की कृपा वरों कि कल सभी या प्राप्ति कि वस्त्र विलापार्थी कृत्यार्थकर्त्ता प्राप्ति विद्युत कृत्या वर्षार्थी विद्युत वर्ष-काल में—मूँ एकाक्षराम वर्ष-न्यू कृत्यों-वर्ष-विद्युत 33 इनार बोर्ट के अधिकार तथा उपर विद्युत नामी की जानी भी विद्युत के हैं तथा इन कर-दसों वर्षों से विद्युत आवृद्धि की जानी है याहा उत्ता द्वयार्थीयों 33 इनार बोर्ट के वार्षिक विवाह याहा विवाह द्वयार्थीय वर्षों वाहा मात्र है, विचलन वाहार मन्त्रन्त्र के सौर्यों का कालों प्राप्तिर्वाहा है, भर्त वीं के ग्रामार्थ द्वयार्थीय कृत्यों के वीर-वर्ष विद्युत 33 इनार बोर्ट के द्वयार्थीय कृत्यों का व्यापार वाहा विवाह तक्तो है, तो यह वाहार वाहा, वाहा, मात्र वाहा ?

\*1149. श्री गोप्ता बाबूराम—बना मंडी, राजस्थान विभाग, यह चलाये की कृपा करें कि क्या यह यह मही है कि नीतिशासक विलास ने नटुप्पा रेफरल अधिकार में स्वीकृत जन के अनुच्छेद महिला एवं गुरुष विकासक विभाग विवेच विभाग में प्रदर्शनाप्रिय नहीं है, जिससे आम जनता और इन्हें में करिए जा सकते हैं। प्रदर्शन करना चाहता पड़ता है, यदि ही, तो सरकार उक्त नटुप्पा रेफरल अधिकार में काव्यतक स्वीकृत पदों के अनुच्छेद विकासकों को प्रदर्शनाप्रिय करने का विचार रखता है, यहाँ, तो क्यों ?

#### हाईकोर्ट का सवाल करना

\*1150. श्री गोप्ता बिहारी—बना मंडी, जारी विभाग, यह चलाये की कृपा करें कि—

(1) बना यह यह मही है कि पट्टा विलासकार अधिकारप्रिय गुरुषालय मही अधिकार के अधर से एवं उसके द्वारा विलासकार युक्त सिविल लेल से निरुत्ता है;

(2) बना यह यह मही है कि उक्त विलासकार द्वारा अधिकार दिन बात-भाल या खाल नहीं है विषयमें उक्त मुद्रालाल में विवरण दीर्घ तक्कों में रखाय का भावाल नहीं है;

(3) बना यह यह मही है कि उक्त विलासकार अधिकार द्वारा विलासकार उक्त विलासकार विभाग को देंड साइड से उपचार द्वारा का विचार मही है, यहाँ, तो क्यों ?

#### गांवों के आदाव रोकना

\*1151. श्रीमती शरणीलक्ष्मी जी—बना मंडी, अमृत-उपचार विभाग, यह चलाये की कृपा करें कि—

(1) बना यह यह मही है कि पर्व नमामन विलासकार रामनगर प्रदेश के विवारी बाजार गाम, गिरिधुराम जातियों, उभायों बाटाटाया गाम का कलापः मिहाई नहीं, नारा नहीं एवं मदान नहीं और गोनाल प्रदेश के खंडगाम मनिषाणी गाम का सुखमहा नहीं से कठन हो रहा है, विवारी कामण तक्का गाँव के गोदान विश्वासित हो रहा है;

(2) यदि उपर्युक्त सोहू का उदाव ज्ञोपालग्नक है, तो सरकार उक्त गाँवों का उदाव उक्त गाँवों से रोकने का आवश्यक करने का विचार रखती है, यहाँ, तो क्यों ?

#### विकासकार प्रदर्शनालय कारना

\*1152. श्री लाल अस्त्राम—बना मंडी, राजस्थान विभाग, यह चलाये की कृपा करें कि क्या यह यह यह मही है कि गोदावरी विलासकार रेफरल अधिकार नीहुरा में तीन महिलाएँ विकासकार का एह स्वीकृत हैं उसके उपर्युक्त में एक भी महिला विकासकार प्रदर्शनालय नहीं रहने के कारण महिला रागियों को गोदावरी का सामना करना पड़ रहा है, यहाँ ही, तो सरकार उक्त रेफरल अधिकार में काव्यतक महिला विकासकार को प्रदर्शनाप्रिय करने का विचार रखती है, यहाँ, तो क्यों ?

\* 1153. श्री जगद्विषय अधिकारी—कथा मंत्री, स्थानिक विभाग, यह बहलाने को कृपा करें दि—

(1) कथा यह बता सकती है कि पर्यंत 2015 में प्रशासक प्राधिकारिक स्थानिक केन्द्र सभा तक भरीपूर्ण औ निश्चिह्न एवं संसाधन वाली सुविधा देने का लिये पीड़ितपूर्वी गोड़ में अस्ताने में जौधि सक्तीन लगाने का नियम संस्कार द्वारा लिया गया है;

(2) कथा यह बता सकती है कि भारतीय जिलेनार्थी प्राधिकारिक स्थानिक केन्द्र, चारोंतर तथा भरणा में भरीपूर्ण या निश्चिह्न सुविधा उपलब्ध नहीं कराया जा सका है;

(3) कथा अपूर्वक योजना के तहत स्थानिकागतक हैं तो कथा संस्कार द्वारा जौधि स्थानिक स्थानिक केन्द्र पर सक्तीना को निश्चिह्न एवं संसाधन वाली सुविधा उपलब्ध कराने का नियम रखती है, तो, तो कवतक, तो, को क्या ?

#### उत्तरादाता कर्त्तव्यित करना

\* 1154. ओमांशु युविमा मादन—कथा मंत्री, उच्च विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि कथा यह बता सकती है कि नवाचा विभाग के यह प्रधानपाल अन्तर्गत अपेक्षा बास, अपार, मनपुर, चक्रवारी, दिसावारा, छापी, एवं खट्टा जामों ने बलकूप चलू कामों हेतु खैच वर्षे पूर्व उक्त विभाग को उत्तराक आप को तिवरे एक-एक साथ दी यहि प्राप्त करायी गयी थी, परन्तु अन्ततः जामो विभाग द्वारा उत्तरादाता को कर्त्तव्यित कर्या किया गया है, यदि ही, तो कथा संस्कार द्वारा जामो में स्थित बलकूप जामो कर्त्तव्यित कराने का विचार रखती है, तरी, तो क्यों ?

#### गाँधी जी गुरुनियुक्ति

\* 1155. ओमांशु प्रेमा जीपरी—कथा मंत्री, स्थानिक विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि—

(1) कथा यह बता सकती है कि विश्वासी विस्तारान्ति पात्रेषुर विधान-सभा द्वारा दिया गया और इन्होंने में 2 अक्टूबर, 1977 को सुन्दर यामीन द्वेष में स्वाक्षर्य के प्रति जागरूक करने हेतु हिन्दू हैत्य पाठ्य-प्रौद्योगिक सामू किया गया या उसी इसके लिये उक्त सेवा के द्वारा विकास नियमिकारिये एवं भूमिकाओं द्वारा दिनांग गाँड़े को करारिता का तीन माह तक प्रारंभित दिया गया था;

(2) कथा यह बता सकती है कि कथा 2004 में सर्वोच्च प्राधिकारियों द्वारा दिया गया वांडक सेवा को चन्द्र कर दिया गया;

(3) यदि उपर्युक्त यामीन के उत्तर स्थानिकागतक हैं, तो कथा संस्कार उपर योजना को गुरुनियुक्ति द्वारा हेतु हैत्य गाँधीजी को गुरुनियुक्ति द्वारा का विचार रखती है, ही, तो कवतक, तो, को क्या ?

#### अपरस्ता करना

\* 1156. श्री समीर जूमार महासेठ—कथा मंत्री, स्थानिक विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि—

(1) कथा यह बता सकती है कि सम्प्रवर्ती विस्तारान्ति यामीनी प्रचारण के उत्तराने द्वारा भारतीय स्थानिक प्रमंड में समुचित संसाधनों एवं देश का अभाव घटता है जिसके कारण भरीपूर्ण को भरणीयों का सम्मान करना पड़ता है;

(2) कथा यह बता सकती है कि उक्त अन्तरिक्ष स्थानिक केन्द्र में नव एक पदस्थानित विकासक से 300 स्थानिक केन्द्र यामीनहीं में भी अपनी सेवा देनी पड़ती है;

(3) वर्द उपर्युक्त ग्रन्थों के उपर स्पष्टात्मक हैं। तो जल्द लगाना चाहे असीमित जलाभ्य के बीच विकिरणात्मक को समर्पित प्रतिसंरक्षण बाटे जाए। एवा को समुद्रित जलाभ्य काटें। औ विषया बढ़ते हैं, तो उसे अधिक जाएं। तो जल्द?

二〇〇〇年

\* 1157. गोपी साहित्यी देवी - एवं यही सम्प्रसंग रिपोर्ट, यह बालाजी देवी का एक अद्वितीय नामः यहां यही देवी के लिये विश्वासनीय चक्रवर्त प्रधान रिपोर्ट रिकॉर्ड लगभग यहां वे गोपीसाहित्यी देवीः इसी नाम पर विश्वासनीय चक्रवर्त प्रधान रिपोर्ट लगता है जिसके बारे में यहां यही देवी की असम विद्या के विविध विभागों में विश्वासनीय या सम्प्रसंग बालाजी भवते हैं। ऐसी देवी की कल्पना कल्पाल इसकी विवर कराकर सामाजिक वार्तालयों बालने का विषय स्वतंत्र है। तभी, तो क्या?

સુર્યાંગ માટે

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੁਖ ਸਾਹਮਣੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਮਾਲ ਨਾਲ ਬਿਨਾਂ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਸਾਡੇ ਹੋਣਾ।

- (१) यह से ज्ञान मिलता है कि भूवर्षास्त्र विद्या अपनी प्राचीन, संशोधित एवं प्रसिद्ध विद्या है।

- (2) नव या वात सी है कि उपर व्यापक लोट में लोटी का या यह व्यापक के विषय के बारे में जानकारी नहीं है।

- (३) निवासी वर्ग के लोग स्वीकारनका लिए तत्काल सभा सभाया बैठक में संविधान के अनुसार विभिन्न विषयों पर विचार करने की जरूरत है।

卷之三

“*It is the same with all the other species of the genus* *Leucosia*, *which have* *been* *described* *as* *having* *the* *same* *habits* *and* *ways* *of* *life*.”



- (2) यह योनि वासी हिंदू धर्म (1925) में उक्त संघर्ष के कानूनीय रूप से बता, जिससे

- (३) यदि उपर्युक्त चर्दी के द्वारा सिंचाननक है, तो उसे सिंचान तक अपने पारे द्वारा सिंचान करने वाले व्यक्तिगत व्यापक व्यवसाय के लिए उपलब्ध होनी चाही जाएगी।

#### Human Capital

- (1) वर्षा यह नाम भर्ती के लिए समर्पित विधायकमें प्रदत्त नामसंग्रह के द्वारा नामित (यासपांडित) गोप-इन्द्रजी निवासी (जगद्गुरु) महात वक्तव्यनी (पांडित्य) वाहू न०-५ (राम शर्मा) संशित इष्टविद्यार्थी विद्यालय निवासी हैं।

- (२) वर्षा यांची वर्तन संस्था के दिले जाणवा अपार या नियमांचा वार्ता करा. तिसे संवादांचे आणि प्रोत्साहितीचे वार्ता करा.

- (३) परिवर्तनात्मक चलों के उत्तर स्थिरात्मक हैं, जो वहा सुधार लेने हेतु विद्युद दोषक्रिया के विपरीत चलते हैं।

卷之三

"1961, भी उत्तराखण्ड के लिये गिरिक समाजारूप के विवरण 3 दिसंबर, 2015 को प्रकाशित होने के साथ "उत्तराखण्ड में बहुत कौन चेता?" के अन्त में इसके बारे जापा दिया गया तत्त्वजदानी विवरण, जहाँ कानूनी विधि का वर्णन किया गया है।

(1) अमा यह चार मात्रा हैं जिनमें से प्रत्येक विशेषताएँ प्राप्तिक व्याख्या दी गई हैं।

(१) निवास उपर्युक्त स्थानों के उपर अवस्थित है, तो वह मालां उपरचल करनें के लिए आवश्यक बहुत साधा काम हो देता है। इसके लिए गोली बड़े का विषय चाहिए है, जो उपरचल करने के लिए उपयोग हो सके।

卷之三

\*IUCN द्वारा दिए गए 'विप्र' शब्द का समान अर्थ है। यह शब्द विभिन्न विषयों में इसकी विविधता को व्यक्त करता है।

(१) यह प्रति संक्षे प का मुख्य विषय में सरकारी मोक्षदल की ओर उहाँ के विषय में उनके दबावी विभिन्न मोक्षदल की शिक्षा वापर अपने दबावी विभिन्न गत वापर है।

(१३) यह उपर्युक्त विवाह का उत्तम सामग्रीपक्ष है, जो साक्षात् नियमित संग्रह विवाह में मध्यिकाल वासिनियों के लिये उपयोग के लिये उपलब्ध है, तथा उत्तम है।

新編藏書票集成

\* ॥ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥ ਕਉ ਕਾਨੂੰ ਕਾ ਬਾਬੇ ਕਾ ਬਾਬੇ ਕਾ ਬਾਬੇ ਕਾ ਬਾਬੇ ਕਾ

१०) यहां पर्यावरण समीक्षा के लिए विभिन्न विधियाँ विकसित की गयी हैं। इनमें से २०१४ में अप्रैल में विद्या के अधीक्षित, विद्युतीय, अप्लाई और व्यवस्थापन विभाग द्वारा लिया गया अनुसूची का बाहर एकाधिकारीय विभाग विकास विभाग द्वारा तैयार किया गया है:

(१३) यह गह वाह सरी है तिरुपत्ति प्रस्तुति में रामेश चंपी निरुपीता का दोषमा विस्तृत विवेचन करना।

(३) यह एक कानूनी विवरण गत-प्रत्यक्ष स्थिति के लिए और इसका अन्तिम विवरण, जिसमें विवरण को प्रत्यक्षता द्वारा कहा जाए गिरावट ऐसे अंतिम कथ में आधार पड़ता है। दिनांक : १० जून, २०१६  
जो यह विवरण लिखने वाले द्वारा दिया गया।

(4) यदि उपर्युक्त व्यापार के लिए समाकाग्रधक है, तो उस प्रेक्षणों में अमीरा नियुक्तिकारी गति का दर्शन किसी रूप से नहीं हो सकता?

西周时期

\* 164. श्री गैरुड अब दोषाभ्यु करा रही हैं, उनकी विभाग एवं घटनाएँ वही इसपे उल्लेख किए करने चाहे यह प्रति सात लाख हैं जिसमें विभाग का गुणाधर प्रशासक असामी मण्डली विभाग भी आम तौर-गति के 12 विभागों के बाहर राजनीति में विभिन्न लापता हुए विभाग का एवं विभाग विभाग, 2006 में घटनाएँ की जारीता भी विभाग विभागों के कामों द्वारा करा या विभाग विभागों के कामों नहीं गंभीर रूप से भी नहीं हो सकते भल्कु उक्त विभाग के कामों द्वारा विभाग विभागों का विभाग रखते हैं तो वही क्या है ?

三、情绪管理

\* 1165 श्री द्वितीय अमरा भवानी—सुन माला परमहंसीमान् यह बहुतांशे श्री कृष्ण गार्हणी है।

11) यह एक बहु संस्कृति का भूमध्य सागर में स्थित द्वीप है उसके चारों ओर सांस्कृतिक विविधता का दृष्टिकोण है।

(२) अधिकारी की विज्ञापन अधिकारी का विज्ञापन 2014-15 में बदला गया था।

१३० अब उपरोक्त सुन्दर कविता समझाइए। यह कविता कल्पना वाली है।

\*1166. श्री मेवा तात्र चौधरी—जल मंडी, कल्याण विभाग, जह जलसारों को लूपा करें कि जला पह याह आहे हे किंविते नियम के सम्बन्धीत प्रचलित अनुग्रह संकेता प्रकारत के संस्कृता गीत विषय यावळकरण नवाचार विषय के अध्ययन में ५ वर्षी से दो हैं। नियम किसकां को उच्चार कार्य में असुरक्षित होते हैं, एवं तो वे उक्त नाम को उच्चारण प्राप्ति में विषय संबंधित कर इसका केवलक नदाकृष्ण याचु कराने का विषय आही हे नाही, से क्यों?

#### विकासित कराना

\*1167. श्री घण्टेश चौधरी—जल मंडी, पर्सनल विभाग, जह जलसारों को लूपा करें कि—

(१) काहे यह जल सारी हे किंविते प्राप्ति प्रधारण विषय के प्राप्तिराज्य कोटी प्रखड्ह के बोद्धापुर खेलसारोंग मध्य में कल्याणसंघी मध्ये अवशिष्ट है, जो इन जला संभव संसाधन एवं जला इमार नहम है, तरही प्रखड्ह वर्षे भादों अवधार यावळकी वर्षे कल्याणसंघी मध्ये अवशिष्ट का प्राप्ति यथा बोद्धा लगता है तिथमें देश-विदेश के प्राप्तिक हजारों की संख्या में एवं हे प्राप्ति यहां यावळकी प्राप्तिक है। मूलभूत ऐसे आवासपुरा सुविधाओं तो आवाह है;

(२) एवं उपर्युक्त उद्देश्य का उपर योग्यकारक है, तो क्या संकार उक्त जलसार एवं मूलभूत एवं प्रधारण युक्त उपर्युक्त उद्देश्य कराने हुए योग्यता उक्त जल में विकासित कराने का विचार रखाओ है, तो करावा याही, से क्यों?

#### तिर्योग कराना

\*1168. श्री सर्वोन्नत प्रभारी—जल मंडी, मालाय्य विभाग, जह जलसारों को लूपा करें कि—

(१) काहे यह जल सारी हे किंविते धर्मारण विभाग के अनुसारे ६५ लाख हे जला माल एक नियम अध्ययन हे विषयमें इहांवे विषयमें किंविते नियमकूल रूप से फरसावाल संबंध तहीं है तथा इससे सम्बन्धित याही एवं उपर्युक्ती यहां नहीं होती है;

(२) काहे यह जल सारी हे किंविते यथा जल में प्रदूषणात्मित उद्धिदर तहीं रहने वाला कहांवे विषयमें किंविते उपर्युक्त यहां रहने में समीक्षा को उत्तमता होती है;

(३) एवं उपर्युक्त यहां रहने के उपर भवित्वपूर्वक है, तो क्या संकार इसके अवधारण में कहांवे विषयमें जल में डॉक्टर को प्रदूषणात्मित कराने तथा इससे सम्बन्धित तहीं के तिव्ये अनुसारों को नियमांग कराने का विषय सम्भव है, तो, एवं करावा नहीं, तो क्यों?

#### विद्युत चालु कराना

\*1169. श्री राधेश शरण पांडित—जल मंडी, कल्याण विभाग, जह जलसारों को लूपा करें कि—

(१) काहे यह जल सारी हे किंविते नियम के भावांक में किंविते विभाग विभाग के बोगता (१) के उपर योग्यता, सीमांय, वासिन्दा, योग्यांय, स्वदृश्य आदि अन्य गाँव में जलसारांय का लाभान न करावा योग्यता, का विषय विवेद्य माल वापर, २०१५ में कर विधा याही है, जिससे भुगतान करने काले उपर्युक्त भी प्रयोगित हुए हैं;

(२) एवं उपर्युक्त उद्देश्य के उपर भवित्वपूर्वक है, तो क्या संकार इसको नीति कारकर भुगतान करने वाले उपर्युक्तांशोंका लाभ चालु करने का विचार रखतो है ?

पट्टा :

विषय : (१) ग्रन्त, २०१६, (१०)

विभाग (प्रत्याग्र) १४१—कोटी०ग्रा ५००

यज्ञोन्न चौधरी,

प्रभारी संचिव,

विद्युत विभाग, जला।